

राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) की 31 अगस्त 2023 को

आयोजित 31वीं बैठक का कार्यवृत्त

1. राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) की 31वीं बैठक राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) के अध्यक्ष डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 31 अगस्त 2023 को आयोजित की गई। बैठक में भाग लेने वाले सहभागियों की सूची **अनुलग्नक-1** में दी गई है।

2. बैठक में कार्यसूची की मदों के संबंध में समिति द्वारा लिए गए निर्णय आगामी पैराओं में दिए गए हैं।

कार्यसूची मद 01: 23 जून 2023 को आयोजित एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

3. समिति ने 23 जून 2023 को आयोजित एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

कार्यसूची मद 02: एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट

4. एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक के कार्यवृत्त के संबंध में की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण समिति के समक्ष रखा गया। समिति ने की गई कार्रवाई को नोट किया और इसे **अनुमोदित** किया और निम्नलिखित मुद्दों पर ज़ोर दिया:

4.1. एसएसडीएम/एससीवीटी द्वारा प्रशिक्षणों के लिए सक्रिय अर्हताओं का चयन और प्रस्तुत करने वाले निकायों द्वारा एसआईपी और उनके संबंधित पोर्टल पर टीओटी और टीओए कैलेंडर अपलोड करना: समिति ने दोहराया कि संबंधित राज्य कौशल विकास मिशनों (एसएसडीएम)/राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एससीवीटी) को भेजे गए 20 अगस्त 2023 के पत्र के अनुसार सभी संबंधित राज्यों और अवार्ड करने वाले निकायों को उनके प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) और आकलनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) कैलेंडर एसआईपी पोर्टल और उनकी संबंधित वेबसाइटों पर अपलोड करने होते हैं और अपने टीओटी तथा टीओए कार्यक्रमों को लागू करने के लिए डीजीटी (एमएसडीई के अंतर्गत) द्वारा संचालित सरकारी प्रशिक्षण केंद्रों के साथ समन्वय करना होगा और एनसीवीईटी को 15 सितंबर 2023 तक पुष्टि भेजनी होगी।

कार्यसूची मद 03: प्रस्तुत करने वाले निकायों को 06 अर्हताओं, ग्रीन रोजगार के लिए कौशल परिषद् (एससीजीजे) को 02 अर्हताओं और हाइड्रोकार्बन सेक्टर कौशल परिषद् में 01 अर्हता के लिए फाइल पर अनुमोदन

5. प्रस्तुत करने वाले निकाय - ग्रीन रोजगार सेक्टर कौशल परिषद्

5.1. समिति को सूचित किया गया कि भारत सरकार ने अस्वच्छता के कारण शून्य मृत्यु सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्रीय क्षेत्र स्कीम राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता इकोसिस्टम (नमस्ते) को अनुमोदित किया है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास कार्पोरेशन (एनएसकेएफडीसी) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन मैनुअल खोजकर्ता के पुनर्वास के लिए स्वरोजगार स्कीम के लिए कार्यावयन एजेंसी है।

5.2 सचिव, एमएसडीई और सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) के बीच बैठक हुई है और बाद में प्रस्तुत करने वाले निकाय एससीजीजे को अपेक्षित अर्हताओं को तत्काल आधार पर अनुमोदित करवाने और एनएसक्यूएफ संरेखित करने के लिए निर्देश दिए। तदनुसार सीवरेज, अपशिष्ट प्रबंधन और सुधारात्मक कार्रवाइयों से संबंधित दो नई अर्हताएँ अर्थात् “**जूनियर टेक्नीशियन-सीवर मशीनीकृत क्लीनिंग**” और “**सीवर प्रवेश पेशेवर**” एससीजीजे द्वारा विकसित की गई हैं।

5.3 ये दो अर्हताएँ स्वच्छता प्रणाली के पूर्ण यंत्रीकरण, कार्मिकों के प्रशिक्षण, पीपीआर किट्स के प्रावधान, स्वास्थ्य बीमा और आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) के माध्यम से स्वच्छता कार्मिकों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करेंगी।

5.4 उपर्युक्त दो अर्हताओं के संबंध में कार्मिकों का प्रशिक्षण तत्काल शुरू करने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इन दो अर्हताओं के एनएसक्यूएफ संरेखण की संपूर्ण प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी की गई। इन अर्हताओं को **8 अगस्त 2023 को 'फाइल पर'** अनुमोदन प्रदान किया गया था। इन अर्हताओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	अर्हता का नाम	सामान्य घंटे	एनएसक्यूएफ स्तर
1	कनिष्ठ तकनीशियन - सीवर मशीनीकृत क्लीनिंग	कुल-330 घंटे थ्योरी-90 घंटे पैक्टिकल-120 घंटे ओजेटी-90 घंटे ईएस-30 घंटे	3

2	सीवर प्रवेश पेशेवर	कुल-330 घंटे थ्योरी-80 घंटे प्रैक्टिकल-130 घंटे ओजेटी-90 घंटे ईएस-30 घंटे	3
---	--------------------	---	---

समिति ने इसे नोट किया और 'कनिष्ठ तकनीशियन-सीवर यंत्रीकृत सफाई' और 'सीवर प्रवेश पेशेवर' अर्हताओं का अनुसमर्थन किया।

5.5 समिति को भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए **राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम)** के बारे में भी सूचित किया गया। इस स्कीम का उद्देश्य भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को कार्बनमुक्त बनाना है। इस मिशन का व्यापक उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके यौगिकों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है। इस मिशन के माध्यम से 6 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य है।

5.6 ग्रीन रोजगारों के लिए कौशल परिषद् (एससीजीजे) ने चार ग्रीन हाइड्रोजन अर्हताएँ प्रस्तुत की थीं जिन्हें ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अविलंब कार्यान्वित किया जाना था। इस अर्हता को **21 अगस्त 2023** को 'फाइल पर' अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। अर्हताओं का विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	अर्हता का नाम	सामान्य घंटे	एनएसक्यूएफ स्तर
1	ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन - विद्युत स्रोत	कुल-360 घंटे थ्योरी-170 घंटे प्रैक्टिकल-100 घंटे ईएस-30 घंटे ओजेटी-60 घंटे	3
2	ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन- इलेक्ट्रोलाइजर	कुल-330 घंटे थ्योरी-130 घंटे प्रैक्टिकल-110 घंटे ईएस-30 घंटे ओजेटी-60 घंटे	3
3	ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ	कुल-360 घंटे	3

	तकनीशियन-अलवणीकरण	थ्योरी-170 घंटे प्रैक्टिकल-100 घंटे ईएस-30 घंटे ओजेटी-60 घंटे	
4	ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन-भंडारण	कुल-360 घंटे थ्योरी-170 घंटे प्रैक्टिकल-100 घंटे ईएस-30 घंटे ओजेटी-60 घंटे	3

समिति ने इसे नोट किया और अर्हताओं का अनुसमर्थन किया।

6. अवार्ड करने वाला निकाय - हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद्

6.1 राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत विकसित 4 नई अर्हताओं के अतिरिक्त अवार्ड करने वाले निकाय हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद् (एचएसएससी) द्वारा तेल तथा गैस क्षेत्र के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की प्रक्रिया में विभिन्न स्तरों पर और वैल्यू चेन की प्रक्रिया में कार्यरत कर्मिकों के कौशल संवर्द्धन, उन्हें दोबारा कौशल प्रदान करने और नए सिरे से कौशल प्रदान करने के लिए 2 नई अर्हताएँ और 1 एनओएस विकसित किया गया है। इन दो अर्हताओं और एक एनओएस में प्रशिक्षण अविलंब शुरू किया जाना था।

6.2 प्रशिक्षण (कर्मिकों के कौशल संवर्द्धन, उन्हें दोबारा कौशल प्रदान करने और नए सिरे से कौशल प्रदान करने के लिए) शुरू करने की तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए इन अर्हताओं और एनओएस को **21 अगस्त 2023 को 'फाइनल पर'** अनुमोदन प्रदान किया गया था।

क्र. सं.	अर्हता/एनओएस का नाम	सामान्य घंटे	स्तर
1	ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र प्रचालक	कुल-510 घंटे थ्योरी-120 घंटे प्रैक्टिकल-300 घंटे ईएस-60 घंटे ओजेटी-90 घंटे	4.5

2	संपीडित बायो गैस संयंत्र प्रचालक	कुल-420 घंटे थ्योरी-90 घंटे प्रैक्टिकल-240 घंटे ईएस-30 घंटे ओजेटी-60 घंटे	3.5
1	एनओएस-एचवाईसी/एन3112: रिटेल आउटलेट (ईंधन केंद्र) पर इलैक्ट्रिक वाहन की चार्जिंग और बैटरी बदलने के क्रियाकलाप आयोजित करना	कुल-120 घंटे थ्योरी-30 घंटे प्रैक्टिकल-75 घंटे ओजेटी-15 घंटे	3

समिति ने इसे नोट किया और उपर्युक्त दो अर्हताओं और एक एनओएस का अनुसमर्थन किया।

कार्यसूची मद 04: एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक में अनुमोदित रक्षा अर्हताओं में संशोधन।

7. इलैक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर (ईएमई) के दलों की एक (1) अर्हता

7.1 समिति को सूचित किया गया कि इलैक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर (ईएमई) के दलों द्वारा प्रस्तुत अर्हता 'तकनीशियन इलैक्ट्रीशियन (वाहन)' को एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक में अनुमोदित किया गया था। उसके बाद ईएमई ने विभिन्न रोजगार भूमिकाओं को अन्य मान्यता प्राप्त रक्षा क्षेत्र के अवार्ड करने वाले निकायों की जरूरतों के अनुरूप बनाने और इन्हें उद्योग के लिए अधिक संगत बनाने के लिए वैकल्पिक चयन के रूप में शामिल करके हथियारबंद, हल्के और भारी वाहनों में इलैक्ट्रिकल घटक की मरम्मत तथा रखरखाव की समान जानकारी की आवश्यकता वाली विभिन्न रोजगार भूमिकाओं को मिला कर अर्हता को तर्कसंगत बनाया है।

7.2 संशोधित अर्हताओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	अर्हता का नाम	सामान्य घंटे	एनएसक्यूएफ स्तर
1	तकनीशियन इलैक्ट्रीशियन (ऑटोमोबाइल) वैकल्पिक (क) तकनीशियन इलैक्ट्रीशियन (भारी एवं ट्रैक्ड वाहन)	कुल-450 घंटे थ्योरी-53 घंटे प्रैक्टिकल-92 घंटे ओजेटी(एम)-185 घंटे	4.5

	<p>(ख) तकनीशियन इलैक्ट्रीशियन (भारी एवं हल्के वाहन)</p>	<p>ईएस-120 घंटे</p> <p>वैकल्पिक</p> <p>(क) कुल-870 घंटे</p> <p>थ्योरी-117 घंटे</p> <p>प्राैक्तिकल-538 घंटे</p> <p>ओजेटी(एम)-215 घंटे</p> <p>(ख) कुल-810 घंटे</p> <p>थ्योरी-120 घंटे</p> <p>प्राैक्तिकल-450 घंटे</p> <p>ओजेटी(एम)-240 घंटे</p>	
--	---	---	--

समिति ने संशोधित अर्हता को अनुमोदित किया।

8. अवार्ड करने वाले निकाय सैन्य शारीरिक प्रशिक्षण कोर (एपीटीसी) की दो (02) अर्हताएँ

8.1 समिति को सूचित किया गया कि प्रस्तुत करने वाला निकाय एपीटीसी सैनिकों की शारीरिक फिटनेस, भारतीय सेना में व्यवहार तथा प्रशिक्षण क्रियाकलापों के निष्पादन से संबंधित अर्हताएँ विकसित करने के लिए जिम्मेदार है। जब कोई सैनिक किसी अर्हता में 4.5 का स्तर प्राप्त कर लेता है और सैनिक के तौर पर 3 वर्ष काम करने के बाद उसे नियमित सैनिक के रूप में चुना गया है तो उसे एपीटीसी में शामिल करने से पहले **सैन्य शारीरिक प्रशिक्षण संस्थान** में कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरने के लिए चुना जाता है।

8.2 प्रशिक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए पूर्व में एनएसक्यूएफ की 30वीं बैठक में अनुमोदित एपीटीसी की दो अर्हताओं '**शारीरिक फिटनेस ट्रेनर (एडवांस)**' और '**व्यक्तिगत जिम ट्रेनर (अग्रिम)**' को एनएसक्यूएफ में 4.5 के स्तर से बढ़ा कर एनएसक्यूएफ में स्तर 5 में अपग्रेड किया गया है।

8.3 विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	अर्हता का नाम	सामान्य घंटे	एनएसक्यूएफ स्तर
1	शारीरिक फिटनेस ट्रेनर - (एडवांस)	कुल-1200 घंटे थ्योरी-150 घंटे प्रैक्टिकल-285 घंटे ओजेटी-645 घंटे ईएस-120 घंटे	5
2	व्यक्तिगत एवं जिम ट्रेनर (एडवांस)	कुल-1200 घंटे थ्योरी-150 घंटे प्रैक्टिकल-285 घंटे ओजेटी-645 घंटे ईएस-120 घंटे	5

समिति ने संशोधित अर्हता को अनुमोदित किया।

9. सैन्य आसूचना निदेशालय की दो (02) अर्हताएँ

9.1 समिति को सूचित किया गया कि सैन्य आसूचना कोर द्वारा प्रस्तुत की गई 'फील्ड अन्वेषक' और 'निजी जासूस' की अर्हताएँ 23 जून 2023 को आयोजित एनएसक्यूसी की 30वीं बैठक में अनुमोदित की गई थीं। तत्पश्चात अवार्ड करने वाले निकाय ने दोनों अर्हताएँ एक ही व्यवसाय से होने के कारण दोनों अर्हताओं का प्रगमन परिवर्तित कर दिया है।

9.2 संशोधित प्रगमन विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	अर्हता का नाम	सामान्य घंटे	एनएसक्यूएफ स्तर	प्रगमन
1	फील्ड अन्वेषक	कुल-1230 घंटे थ्योरी-240 घंटे प्रैक्टिकल-420 घंटे ओजेटी(आर/एम)-570 घंटे	4.5	ऊर्ध्वाधर निजी जासूस
2	निजी जासूस	कुल-1290 घंटे थ्योरी-300 घंटे प्रैक्टिकल-510 घंटे ओजेटी(आर/एम)-480	5	ऊर्ध्वाधर कॉर्पोरेट अन्वेषक

		घंटे		
--	--	------	--	--

समिति ने कानूनी पहलुओं पर एनओएस जोड़ने की शर्त पर अर्हता को सशर्त अनुमोदन प्रदान किया।

कार्यसूची मद 05: सैन्य बलों (भारतीय सेना) द्वारा अर्हताओं को अपनाना

10. समिति को सूचित किया गया कि युद्ध इकाइयों, सहयोग इकाइयों और सेवाओं सहित भारतीय सेना के 17 अवार्ड करने वाले निकायों और 02 अवार्ड करने वाले निकायों अर्थात भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय नौसेना (आईएन) से प्रत्येक से एक निकाय को अवार्ड करने वाले निकाय (दोहरी श्रेणी) के रूप में मान्यता देते हुए उन्हें औपचारिक रूप से एनसीवीईटी के कौशल इकोसिस्टम से संबद्ध कर दिया गया है जिससे वे उद्योग की माँग के अनुसार अत्यधिक प्रशिक्षित सैन्य बलों को आसानी से समाविष्ट करने के लिए अपनी मौजूदा अर्हताओं को एनएसक्यूएफ के साथ संरेखित कर सकते हैं। तदनुसार रक्षा क्षेत्र के अवार्ड करने वाले निकायों ने अपनी मौजूदा अर्हताओं को लागू विभिन्न सेक्टर्स के साथ मैप कर लिया है और या तो उद्योग के मानकों के अनुसार अर्हताओं को उचित नाम देते हुए अपनी स्वयं की अर्हताएँ विकसित कर ली हैं या प्रयासों के दोहराव से बचने के लिए 'अर्हताओं को अपनाने' के संबंध में दिशानिर्देशों के अनुसार ऐसी सभी एनएसक्यूएफ संरेखित तथा अनुमोदित अर्हताएँ अपना ली हैं। उनकी स्वयं की प्रशिक्षण आवश्यकताओं या उद्योग की माँग के अनुरूप 20% तक परिवर्तन करने की अनुमति देने का प्रावधान भी किया गया है।

11. तदनुसार, रक्षा क्षेत्र के अवार्ड करने वाले निकायों ने बड़ी संख्या में अपनी अर्हताओं को एनएसक्यूएफ संरेखित कर लिया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनएसक्यूएफ संरेखित तथा अनुमोदित अर्हताएँ छोटे-मोटे संशोधनों के साथ या इनके बिना विभिन्न रक्षा बलों में एक समान हैं। इसलिए प्रयासों के दोहराव और संसाधनों के अपव्यय से बचने के लिए उन्हें अवार्ड करने वाले निकायों द्वारा अर्हताओं को अपनाने के लिए दिशानिर्देशों में दिए गए प्रावधानों के अनुसार ऐसी सभी अर्हताएँ अपनाने का सुझाव दिया गया था।

12. हालांकि, बेहतर समन्वय तथा रिकॉर्ड रखने, प्रभावी निष्पादन तथा कार्यान्वयन के लिए यह प्रस्ताव किया गया था कि भारतीय सेना के अवार्ड करने वाले निकायों द्वारा अपनाने के लिए प्रस्तावित ऐसी सभी अर्हताओं की सूची सेना प्रशिक्षण कमांड (एआरटीआरएसी) को भेजी जाए और एआरटीआरएसी द्वारा यथोचित रूप से विधीक्षित एक

समेकित सूची एनएसक्यूसी के समक्ष अनुमोदन प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की जाए। अर्हताओं को अपनाने के दिशानिर्देशों के अनुसार मानदंडों का अनुपालन करने की शर्त पर अपनाई गई अर्हताओं में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं।

समिति ने प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया और एनसीवीईटी को तदनुसार सेना प्रशिक्षण कमांड को सूचित करने का सुझाव दिया।

कार्यसूची मद 06: यूजीसी द्वारा यथोचित रूप से संस्तुत अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद (ईएफएलयू) द्वारा प्रस्तुत की गई 10 एनएसक्यूएफ संरेखित तथा अनुमोदित विदेशी भाषा अर्हताओं की स्थिति

13. समिति को सूचित किया गया कि 26 मई 2022 को आयोजित एनएसक्यूसी की 19वीं बैठक में ईएफएलयू द्वारा प्रस्तुत की गई दस (10) विदेशी भाषा अर्हताओं/पाठ्यक्रमों अर्थात् इटैलियन, जर्मन, स्पैनिश, जापानी, फ्रेंच, रूसी, पर्शियन, अरबी, चाइनीज, कोरियन को अनुमोदन प्रदान किया गया। इन अर्हताओं को 90 से 120 घंटे की अवधि के प्रशिक्षण के साथ एनएसक्यूएफ स्तर 1 पर अनुमोदित किया गया था। **सभी दस अर्हताओं की वैधता जून 2023 तक एक वर्ष की अवधि के लिए थी**, जिसके साथ इन्हें आगे बढ़ाए जाने से पहले प्रशिक्षुओं की संख्या और प्रतिक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए थे।

14. आगे समिति को सूचित किया गया कि यूजीसी ने सूचित किया था कि ये पाठ्यक्रम चयनित विश्वविद्यालयों द्वारा कार्यान्वित किए जाएंगे जो उपर्युक्त विदेशी भाषा अर्हताओं/पाठ्यक्रमों पर भी प्रशिक्षण तथा आकलन का आयोजन करेंगी और ईएफएलयू के साथ परामर्श से विस्तृत पाठ्यक्रम, अनुदेशन सामग्री, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) और आकलनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के मानक भी तैयार करेंगी। यूजीसी द्वारा चयनित 6 संस्थाएं निम्नानुसार थीं:

- 14.1 मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, मणिपुर
- 14.2 गोवा विश्वविद्यालय, तालीगांव प्लैट्यू, गोवा
- 14.3 जगन नाथ विश्वविद्यालय, बहादुरगढ़, हरियाणा
- 14.4 सत्यभामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु
- 14.5 जीएसएमएस, गुजरात टेक्नॉलॉजिकल विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- 14.6 चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

15. इसके अतिरिक्त ईएफएलयू से एनसीआरएफ स्तर 2 तथा 3 पर और अर्हताएँ तैयार करने का और इन पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थाओं में लागू करने के लिए विस्तृत मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करने का भी अनुरोध किया गया।

16. एनसीवीईटी को आज की तारीख तक उपर्युक्त विश्वविद्यालयों से न तो कोई औपचारिक पत्र प्राप्त हुआ है और न ही कोई दस्तावेज़ जैसे प्रशिक्षुओं की संख्या, मॉडल पाठ्यक्रम, टीओए, टीओटी आदि प्राप्त हुआ है। यूजीसी और ईएफएलयू का ध्यान उपर्युक्त मामले की ओर आकर्षित करने के लिए उन्हें मेल के माध्यम से एक पत्र भेजा गया है ताकि दस एनएसक्यूएफ संरेखित तथा अनुमोदित अर्हताओं का आगे विस्तार करने का कार्य किया जा सके।

17. समिति ने उल्लेख किया कि इन 10 एनएसक्यूएफ संरेखित तथा अनुमोदित विदेशी भाषाओं को कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय की **स्किल हब पहल** के अंतर्गत संचालित करने के लिए अनुमोदन दिया गया था। समिति ने आगे सुझाव दिया कि विशेष रूप से कुशल कार्यबल की अंतर्राष्ट्रीय मॉबिलिटी के संदर्भ में इन विदेशी भाषा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए **एमएसडीई और यूजीसी** से प्रशिक्षण की प्रगति में तेजी लाने और एनएसक्यूएफ स्तर 2 तथा 3 पर इसी प्रकार की अर्हताएँ विकसित करने का भी अनुरोध किया जा सकता है। एनएसक्यूसी की अगली बैठक में समिति को इस संबंध में अद्यतन जानकारी दी जाए।

कार्यसूची मद 07: राष्ट्रीय व्यवसाय वर्गीकरण (एनसीओ) कोड्स के साथ अर्हताओं की मैपिंग के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना

18. समिति को राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) की 31 जनवरी 2023 को आयोजित 26वीं बैठक में एनएसक्यूसी की सलाह के अनुसार गठित समिति द्वारा एनसीओ कोड्स के साथ अर्हताओं की मैपिंग के संबंध में रिपोर्ट पूरी किए जाने की स्थिति का विवरण प्रस्तुत किया गया।

19. समिति ने एनसीओ समिति के सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की और टिप्पणी की कि इस विस्तृत रिपोर्ट से अवार्ड करने वाले सभी निकायों को नई अर्हताएँ तैयार करते समय आसानी से एनसीओ कोड असाइन करने में मदद मिलेगी। समिति ने अवार्ड करने वाले सभी मान्यता प्राप्त निकायों के बीच एनसीओ कोड्स की समझ विकसित करने हेतु उनके लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (एमओएलई) द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

20. एनएसक्यूसी के अध्यक्ष ने एनसीओ कोइस असाइन करने में आसानी के लिए समिति के सदस्यों द्वारा तैयार की गई हैंडबुक की भी प्रशंसा की। चूंकि विभिन्न इकाइयों को अवार्ड करने वाले निकायों का दर्जा देते हुए मान्यता प्रदान करना एक सतत प्रक्रिया है, इसलिए उन्होंने एनसीवीईटी को नए मान्यता प्राप्त अवार्ड करने वाले निकायों के लिए आवधिक रूप से ऐसी कार्यशालाएँ करने का सुझाव दिया।

विस्तृत निर्देशों के साथ हैंडबुक के साथ-साथ अर्हताओं को मैप करने के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट **अनुलग्नक II** पर संलग्न है।

समिति ने इसका समर्थन किया और इसे अनुमोदन दिया।

कार्यसूची मद 08: उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) द्वारा कैदियों के लिए प्रशिक्षण बैचों का ऑफलाइन मोड में किया गया आकलन।

21. समिति को सूचित किया गया कि यूपीएसडीएम ने सीएसडीसीआई से कैदियों के प्रशिक्षण के लिए तैयार बैचों का ऑफलाइन मोड में आकलन करने का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त यह सूचित किया गया कि चूंकि ये सभी बैच स्किल इंडिया पोर्टल (एसआईपी) पर उपलब्ध नहीं थे, इसलिए अभ्यर्थियों के लिए 'एनसीवीईटी अनुमोदित प्रमाण-पत्र' स्वचालित रूप से/डिजिटल रूप से सृजित नहीं किए जा सकते।

22. यह देखते हुए कि इन बैचों को असहाय कैदियों के समूह, हिरासत में रखे गए नाबालिग अपराधियों के सुधार-गृहों या महिला शरणस्थलों के सहवासियों आदि को कैद की चारदीवारी से बाहर आने के बाद स्वयं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए उनके कौशल के अनुसार व्यवसाय करने में उन्हें सक्षम बनाने हेतु उनकी सहायता करने की सामाजिक समस्या का समाधान करने के लिए कमीशन किया गया था, समिति ने बैचों का आकलन करने और प्रशिक्षुओं को ऑफलाइन मोड में प्रमाण-पत्र जारी करने के सीएसडीसीआई के प्रस्ताव को **विशेष व्यवस्था के रूप में अनुमोदन प्रदान किया।**

कार्यसूची मद 09: एनएसक्यूएफ संरेखण तथा अनुमोदन के लिए अर्हताएँ प्रस्तुत करना

23. समिति को एनएसक्यूएफ संरेखण तथा अनुमोदन के लिए 30 जून 2023 तक प्राप्त 243 अर्हताओं (173 नई और 70 संशोधित) और एक (01) अलग एनओएस का विवरण प्रदान किया गया और इन्हें समिति के समक्ष रखा जा रहा था। इन सभी 243 अर्हताओं के संबंध में समिति का निर्णय आगामी पैरों में दिया गया है। समिति के अनुमोदन तथा निर्णय की विस्तृत स्थिति **अनुलग्नक III** में दी गई है।

सैन्य बल

24. शस्त्र रेजीमेंट: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।
25. भारतीय नौसेना: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई सात (07) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
26. सेना शिक्षा कोर: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई दो (02) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
27. बख्तरबंद कोर महानिदेशालय: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई चार (04) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
28. इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई दस (10) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
29. सिगनल्स कोर: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई नौ (09) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
30. सेना शारीरिक प्रशिक्षण कोर: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई तीन (03) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
31. इंजीनियर्स कोर: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई चार (04) नई अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया।
32. रिमाउंट वैटरनरी कोर (आरवीसी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।

अवाई करने वाले निकाय (केंद्रीय मंत्रालय/राज्य निकाय/एसएससी/अन्य सरकारी तथा निजी निकाय)

33. ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।
34. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी: समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।
35. गुजरात व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (जीसीवीटी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।

36. उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को अपेक्षित उद्योग प्रमाणन प्रस्तुत करने की शर्त पर **सशर्त अनुमोदित** कर दिया गया।

37. पश्चिम बंगाल राज्य तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास परिषद् (डब्ल्यूबीएससीटीवीईएसडी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) संशोधित अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।

38. भारतीय कृषि कौशल परिषद् (एएससीआई): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।

39. ब्यूटी एंड वेलनेस क्षेत्र कौशल परिषद् (बीडब्ल्यूएसएससी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को **अनुमोदित** कर दिया गया।

40. भारतीय निर्माण कौशल विकास परिषद् (सीएसडीसी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई अड़तीस (10 नई और 28 संशोधित) अर्हताओं को निम्नानुसार अनुमोदित कर दिया गया:

40.1 10 नई अर्हताओं और 18 संशोधित अर्हताओं को 3 वर्ष के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया।

40.2 10 संशोधित अर्हताओं जिनमें प्रशिक्षुओं की संख्या 'शून्य' थी या 100 से कम थी उनके लिए 06 माह की वैधता के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया।

41. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र कौशल परिषद् (ईएसएससी): समिति के समक्ष दो (02) नई अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। एक अर्हता 'सेमीकंडक्टर प्रोसेस टेक्नोलॉजी इंजीनियर - अपस्किलिंग' को **अनुमोदित** की गई। अर्हता 'सहायक तकनीशियन - भार एवं मापन मशीन' को निर्धारित संख्या में उद्योग प्रमाणन प्रस्तुत करने की शर्त पर **सशर्त अनुमोदन** प्रदान किया गया।

42. फर्नीचर एंड फिटिंग क्षेत्र कौशल परिषद् (एफएएसएससी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई छः (06) नई और सात (07) संशोधित अर्हताओं को **अनुमोदित** कर दिया गया। समिति ने अवार्ड करने वाले निकायों को अर्हता 'सहायक वुडन बोट मेकर' के अधिगम परिणाम में एनओएस के तहत संयुक्त सामग्री, फाइबरग्लास आयरन और स्टील फेरोसमेंट के उपयोग का एक घटक जोड़ने का भी सुझाव दिया।

43. भारतीय रत्न और आभूषण कौशल परिषद् (जीजेएससीआई): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई तीन (03) संशोधित अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया।

44. हस्तशिल्प तथा कालीन क्षेत्र कौशल परिषद् (एचसीएसएससी): समिति के समक्ष छबीस (26) संशोधित अर्हताएँ प्रस्तुत की गईं और इनमें से 23 अर्हताओं को अनुमोदन प्रदान किया गया, एक अर्हता अवार्ड करने वाले निकाय द्वारा वापस ले ली गई। दो अर्हताओं को नाम और एनएसक्यूएफ में परिवर्तन की शर्त पर अनुमोदन प्रदान किया गया जिस पर सीईओ, हस्तशिल्प तथा कालीन क्षेत्र कौशल परिषद् द्वारा सहमति जताई गई थी। तीन अर्हताओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	एनएसक्यूएफ स्तर के साथ अर्हता का प्रस्तावित नाम	एनएसक्यूएफ स्तर के साथ अनुमोदित अर्हता का परिवर्तित तथा सहमत नाम
1.	‘कागज कलाकृति आर्ट डिजाइनर’ एनएसक्यूएफ स्तर 3	‘कागज कलाकृति आर्ट मेकर’ एनएसक्यूएफ स्तर 3
2.	‘कागज कलाकृति शिल्प विशेषज्ञ’ एनएसक्यूएफ स्तर 4	क्राफ्ट मास्टर - ‘कागज कलाकृति’ एनएसक्यूएफ स्तर 4
3.	गुणवत्ता पर्यवेक्षक कालीन	वापस ले ली गई

45. इन्स्ट्रुमेंटेशन ऑटोमेशन निगरानी एवं संचार क्षेत्र कौशल परिषद् (आईएससीएसएससी): समिति के समक्ष चार (04) नई अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। 02 अर्हताएँ अनुमोदित कर दी गईं। कोडिंग से संबंधित दो (02) अर्हताएँ अनुमोदित नहीं की गईं। समिति ने सुझाव दिया कि प्रवेश के मानदंड की समीक्षा की जाए और इसे दोबारा प्रस्तुत किया जाए।

46. सँभारतंत्र क्षेत्र कौशल परिषद् (एलएसएससी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई चार (04) नई अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया।

47. विद्युत क्षेत्र कौशल परिषद् (पीएसएससी): समिति के समक्ष चार (04) नई अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। तीन (03) अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया था। एक (01) अर्हता अर्थात् ‘औद्योगिक इलैक्ट्रीशियन’ को इस शर्त पर अनुमोदित किया गया था कि ईएस की अवधि बढ़ा कर 60 घंटे कर दी जाए और प्रैक्टिकल 270 घंटे का हो सकता है, जिस पर सीईओ, पीएसएससी द्वारा सहमति जताई गई।

48. रबर, रसायन तथा पेट्रोकेमिकल्स कौशल विकास परिषद् (आरसीपीएसडीसी): समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को अनुमोदित कर दिया गया।

49. दिव्यांगजनों के लिए सेक्टर परिषद् (एससीपीडब्ल्यूडी): समिति के समक्ष 34 अर्हताएँ (29 नई और 05 संशोधित) अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। समिति ने 30 अर्हताओं को अनुमोदित किया। 3 अर्हताएँ अर्हता के नाम में परिवर्तन करने की शर्त पर अनुमोदित की गई जिस पर सीईओ द्वारा सहमति जताई गई। प्रशिक्षक - दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) की एक अर्हता अनुमोदित नहीं की गई। समिति ने इसे एनएसक्यूएफ स्तर 5 पर 120 घंटे के एक अपस्किलिंग एनओएस के रूप में दोबारा प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। जिन 03 अर्हताओं के लिए नाम और एनएसक्यूएफ स्तर में परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया था उनका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	मौजूदा नाम	अनुमोदित नाम	मौजूदा स्तर	अनुमोदित स्तर
1	सीसीटीवी पर्यवेक्षक (दिव्यांगजन) - एलडी	सीसीटीवी निगरानी एक्जिक्यूटिव (दिव्यांगजन) - एलडी	कोई परिवर्तन नहीं	कोई परिवर्तन नहीं
2	कालीन बुनकर (दिव्यांगजन) - एलडी	कोई परिवर्तन नहीं	एनएसक्यूएफ स्तर 3	एनएसक्यूएफ स्तर 3.5
3	कालीन बुनकर (दिव्यांगजन) - एसएचआई	कोई परिवर्तन नहीं	एनएसक्यूएफ स्तर 3	एनएसक्यूएफ स्तर 3.5

49.1 इसके अतिरिक्त समिति ने यह भी सिफारिश की कि बौद्धिक दिव्यांगता (आईडी) और विविध दिव्यांगता (एमडी) के लिए पाँच (05) नई अर्हताओं के लिए साक्षरता तथा संख्याओं का एक आधारभूत मॉड्यूल अर्हता में शामिल किया जा सकता है और उसके बाद अर्हता को 2 के बजाय 2.5 के स्तर पर लाया जा सकता है। समिति ने या तो एनआईओएस के माध्यम से या किसी अन्य निर्धारित एजेंसी के माध्यम से यह मॉड्यूल तैयार करवाने का सुझाव दिया जिस पर एससीपीडब्ल्यूडी के सीईओ द्वारा सहमति जताई गई।

50. ग्रीन रोजगार के लिए कौशल परिषद् (एससीजीजे): समिति के समक्ष नौ (09) अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। पाँच अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया। चार (04) अर्हताओं को नाम और प्रगमन में परिवर्तन की शर्त पर अनुमोदन प्रदान किया गया था जिस पर एससीजीजे के सीईओ द्वारा सहमति जताई गई। इसका विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	मौजूदा नाम	सुझाया गया नाम	मौजूदा प्रगमन	सुझाया गया प्रगमन
क)	बायो-एनर्जी उद्यमी (स्तर-4)	बायो-एनर्जी माइक्रो उद्यमी (स्तर-4)	बायोमास पेलेट/ब्रिकेट विनिर्माण पर्यवेक्षक (स्तर 5)	बायोमास पेलेट/ब्रिकेट विनिर्माण उद्यमी (स्तर 5)
ख)	मटिरियल रिकवरी फैसिलिटी उद्यमी (स्तर 4)	मटिरियल रिकवरी फैसिलिटी माइक्रो-उद्यमी (स्तर 4)	अपशिष्ट एकत्रण पर्यवेक्षक (स्तर 5)	अपशिष्ट एकत्रण उद्यमी (स्तर 5)
ग)	प्लास्टिक रिसाइकलिंग ऑपरेटर (स्तर 3)	कोई परिवर्तन नहीं	प्लास्टिक रिसाइकलिंग उद्यमी (स्तर 4)	प्लास्टिक रिसाइकलिंग माइक्रो-उद्यमी (स्तर 4)
घ)	प्लास्टिक रिसाइकलिंग उद्यमी (स्तर 4)	प्लास्टिक रिसाइकलिंग माइक्रो उद्यमी (स्तर 4)	अपशिष्ट एकत्रण पर्यवेक्षक (स्तर 5)	अपशिष्ट एकत्रण उद्यमी (स्तर 5)

50.1 खेल, शारीरिक शिक्षा, फिटनेस तथा अवकाश कौशल परिषद् (एसपीईएफएलएससी): समिति के समक्ष तेरह (13) नई अर्हताएँ प्रस्तुत की गई थीं। सात (07) अर्हताएँ अनुमोदित कर दी गईं। पाँच (05) अर्हताएँ नाम में परिवर्तन की शर्त पर अनुमोदित की गई थीं, जिस पर एसपीईएफएलएससी के सीईओ द्वारा सहमति जताई गई। इस संबंध में विवरण निम्नानुसार है।

50.2 समिति द्वारा अर्हता 'खेल सामग्री शिल्पकार' में कुछ विकल्प जोड़ने और एनएसक्यूसी को दोबारा प्रस्तुत करने का भी सुझाव दिया गया था।

क्र. सं.	मौजूदा नाम	सुझाया गया नाम
क)	स्पोर्ट्स योगा असिस्टेंट	योगा असिस्टेंट - स्पोर्ट्स
ख)	स्पोर्ट्स योगा ट्रेनर	योगा ट्रेनर - स्पोर्ट्स
ग)	एडवांस स्पोर्ट्स योगा इंस्ट्रक्टर	योगा इंस्ट्रक्टर - स्पोर्ट्स
घ)	स्पोर्ट्स स्टोर सेल्स एक्जिक्यूटिव	स्टोर सेल्स एक्जिक्यूटिव - स्पोर्ट्स
ड.)	स्पोर्ट्स स्टोर मैनेजर	स्टोर मैनेजर - स्पोर्ट्स

51. **टेलिकॉम क्षेत्र कौशल परिषद् (टीएसएससी):** समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई दो (02) नई अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया।

52. **मेधावी कौशल विश्वविद्यालय (एमएसयू):** समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई दो (02) नई अर्हताओं को अनुमोदित कर दिया गया।

53. **मेवाड़ विश्वविद्यालय:** समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को अनुमोदित कर दिया गया।

54. **नेतृ तकनीकी प्रशिक्षण फाउंडेशन (एनटीटीएफ):** समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई एक (01) नई अर्हता को अनुमोदित कर दिया गया।

एनओएस

55. **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएलआईटी):** समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए एक (01) नए एनओएस को अनुमोदित कर दिया गया।

कार्यसूची मद 09 में प्रस्तुत की गई सभी अर्हताओं की विस्तृत स्थिति अनुलग्नक IV में संलग्न है।

कार्यसूची मद 10: अध्यक्ष की अनुमति से कोई अतिरिक्त कार्यसूची/कोई अन्य मामला।

56. समिति को एमएसएमई और एमएसडीई के तत्वावधान में शुरू की जा रही 'पीएम विश्वकर्मा' स्कीम का विस्तृत विवरण प्रदान किया गया। समिति ने हाथों और टूल्स के साथ काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों के परंपरागत कौशलों को सम्मानित करने और ऐसे परंपरागत कौशलों को आकांक्षी बनाने के महान प्रयासों की सराहना की। संबंधित मान्यताप्राप्त अवार्ड करने वाले निकायों द्वारा पीएम विश्वकर्मा के लिए अर्हताओं की प्रस्तावित मैपिंग की प्रमुख विशेषताओं को ध्यान में रखा जाना है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

56.1 40 घंटे का आधारभूत मॉड्यूल। (इसके अतिरिक्त संभावित विश्वकर्मा को डिजिटल तथा वीडियो माध्यम से 10 घंटे की शिक्षण सामग्री अग्रिम दी जानी है)।
120 घंटे का एडवांस्ड मॉड्यूल।

56.2 40 घंटे के आधारभूत मॉड्यूल में पीएम विश्वकर्मा स्कीम का परिचय, टूलकिट्स (ट्रेड विशिष्ट) के उपयोग के संबंध में विश्वकर्मा की अपस्किलिंग, डिजिटल

कौशल, वित्तीय जानकारी, मार्केटिंग जानकारी, स्वरोजगार, और ऋण की राशि का उपयोग शामिल है।

56.3 मानक अर्हता फाइल टेम्पलेट्स का उपयोग पीएम विश्वकर्मा अर्हताएँ प्रस्तुत करने के लिए नहीं किया जा सकता।

56.4 इन अर्हताओं के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) और आकलनकर्ताओं का प्रशिक्षण (टीओए) मॉड्यूल तैयार करने की जिम्मेदारी संबंधित अवार्ड करने वाले निकाय की होगी।

56.5 स्कीम का कार्यान्वयन करने वाली एजेंसी राष्ट्रीय कौशल विकास कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) नामित विषय वस्तु विशेषज्ञों/एजेंसियों और संबंधित अवार्ड करने वाले निकायों के साथ परामर्श से डोमेन सामग्री (ई-सामग्री, वीडियो क्लिप्स आदि) को छोड़ कर अन्य सभी पहलुओं की समन्वय प्रभारी होगी।

56.6 एनएसडीसी से अगली बैठक में एनएसक्यूसी समिति की जानकारी के लिए चिह्नित प्रशिक्षण केंद्रों (सरकारी आईटीआई, आरएसआईटीआई संस्थानों, जेएसएस केंद्रों, एमएसएमई टूल रूम्स आदि) की सूची एनसीवीईटी को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जा सकता है।

57. समिति ने पीएम विश्वकर्मा अर्हताओं के एनएसक्यूएफ संरेखण के लिए अपनाई गई पद्धति सहित सभी 18 ट्रेड्स को 'सैद्धान्तिक' अनुमोदन प्रदान किया। समिति ने आगे सुझाव दिया कि क्योंकि इन अर्हताओं को विशिष्ट परियोजनाओं के लिए अनुमोदन दिया जा रहा है इसलिए एनक्यूआर पर "पीएम विश्वकर्मा स्कीम अर्हताओं" के लिए एक अलग सेक्शन बनाया जाए।

10.2 शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण स्कीम सीआईटीएस अर्हता की पुनर्संरचना

58. समिति को सूचित किया गया कि एनएसक्यूसी ने 24.02.2022 को आयोजित एनएसक्यूसी की 16वीं बैठक में सीआईटीएस और सीटीएस पाठ्यक्रमों के पुनर्गठन तथा इन्हें युक्तिसंगत बनाने के लिए डीजीटी के प्रस्ताव को "सैद्धान्तिक" अनुमोदन प्रदान किया था। यह निर्देश दिया गया था कि सभी सीआईटीएस पाठ्यक्रमों को 1600 घंटों के ट्रेड, थ्योरी और प्रैक्टिकल (डब्ल्यूसीएस, इंजीनियरिंग ट्रेड के लिए ईडी, नॉन-इंजीनियरिंग ट्रेड्स के लिए सॉफ्ट स्किल्स) से संशोधित करके 1200 घंटे कर दिया जाए और प्रशिक्षण पद्धति को संशोधित करके भाषा विषयों सहित लघु-अवधि पाठ्यक्रमों पर 240 घंटे तक के अतिरिक्त

प्रशिक्षण के लिए विकल्प के साथ 150 घंटे के अनिवार्य ओजेटी/समूह परियोजना से परिवर्तित कर दिया जाए।

59. डीजीटी ने एनएसक्यूएफ संरेखण तथा अनुमोदन के लिए 55 पुनर्संरचित अर्हताएँ प्रस्तुत की हैं। समिति को सूचित किया गया कि ये दीर्घावधि प्रशिक्षण अर्हताएँ हैं और इन अर्हताओं की जाँच जारी है। हालांकि सभी 55 सीआईटीएस अर्हताओं का पुराना संस्करण पहले ही एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित है और इन्हें केवल संशोधित तथा पुनर्संरचित किया जा रहा है, सभी 55 सीआईटीएस अर्हताओं को 'सैद्धान्तिक' अनुमोदन देने का प्रस्ताव किया गया।

समिति ने इसे नोट किया और 15 सितंबर 2023 तक एनक्यूआर पोर्टल पर इन अर्हताओं को पूरा किए जाने की शर्त पर 55 सीआईटीएस अर्हताओं को 'सैद्धान्तिक' अनुमोदन प्रदान किया। समिति ने प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) को यथासंशोधित संबंधित फाइलें समयबद्ध रूप से एनसीवीईटी को प्रस्तुत करने का सुझाव दिया।

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

Annexure I

List of Participants

National Skills Qualifications Committee (NSQC) Members

1. Dr Nirmaljeet Singh Kalsi, Chairperson, NCVET
2. Dr Vinita Aggarwal, Executive Member, NCVET
3. Dr Neena Pahuja, Executive Member, NCVET
4. Mr. Nilambuj Sharan, Sr. Economic Adviser, MSDE
5. Mr. Sanjeev Chawla, Director, MSME
6. Dr. Shikha Anand, DGE, MoLE
7. Dr. IBS Yadav, DD, Skill Dev. Dept. Sikkim
8. Mr. Rajender Waldia, UKSDM
9. Ms Deepti Saxena, NSDC
10. Mr. Rajesh Pankaj, FICCI
11. Shalini S Sharma, PHDCCI

NCVET Officials

1. Col. Santosh Kumar, Director
2. Lt. Col Gunjan Chowdhary, Director
3. Dr. Suhas Deshmukh, Director
4. Mr Purnendu Kant, Director
5. Mr. Harish Chander, Deputy Director
6. Mr. Pradeep Thota, Deputy Director
7. Mr. Milan Sahu, Deputy Director
8. Mr. Shourya Sangam, Consultant Grade 2
9. Ms. Sarika Dixit, Consultant Grade 2
10. Mr Amit Sharma, Consultant Grade 2
11. Ms. Ojasvi Goyal, Consultant Grade 1
12. Mr. Amir Waheed, Consultant Grade 1
13. Mr. Balaji Baskaran, Consultant Grade 1
14. Ms. Vandana Purohit, Consultant Grade 1
15. Ms. Sheetal Bhandari, Consultant Grade 1
16. Mr. Amresh Kumar, Consultant, Grade 1
17. Mr. Abhinav Mishra, Consultant, Grade 1
18. Ms. Nidhi Trehan, Consultant, Grade 1
19. Ms. Srishti Jha, Young Professional
20. Ms. Ratna Priya Kanchan, Young Professional
21. Mr. Parkishit Yadav, Young Professional
22. Ms. Pragya, Young Professional
23. Mr. Baiju Balan, Young Professional



Representatives from sectoral stakeholders

1. Dr. P. Saxena CEO Green Jobs
2. Mr. Krishnan - Associate director -ASAP Kerala
3. Major Sujan Banerjee Army Aviation
4. Mr. Arvind Bali, CEO, TSSC
5. Mr. V.K. Singh, CEO, PSSC
6. Mr. Jagdish Acharya, CEO, PCSC
7. Mr. Vijay Kumar, CEO, IESC
8. Mr. Rahul Mehta, CEO, FFSC
9. Dr. Neetu Bhagat, AICTE
10. Mr. Goutam Bhattacharya, CEO LSSSDC
11. Mr. Rajan Bahadur, CEO, FICSI
12. Mr. Rajesh Rathnam, CEO, Leather SSC
13. Mr. Ravikanth Yamarthy, CEO, LSC
14. Dr. Satender Arya, CEO, ASCI
15. Mr. Saif Mohammed, CEO RCPSDC
16. Ms. Monica Bahl, CEO-B&WSSC
17. Dr. Mamta Srivasta, NIOS
18. Ms. Kirti Seth, CEO, NASSCOM
19. Mr. Krishan Kumar (CEO- Handicrafts & Carpet SSC)
20. Mr. Narendra Deshpande, CEO, CSDCI
21. Mr. Rajeev Garg, GJSCI
22. Mr. Brajesh Kumar, CEO IASC
23. Mr. Ravindra Singh, CEO SCPwD
24. Mr. Sanjay Bhardwaj, CGSC
25. Mr. Sunil Marwah (FICSI)
26. Mr. Tahsin Zahid Sports and Fitness Sector Council
27. Mr. Abhisek Mishra (WMPSC)
28. Mr. Aman, HCSSC
29. Dr. Roopak Vashistha, Apparel SSC
30. Mr. Amit Singh, SSCAMH
31. Mr. Ankur (FICSI)
32. Ms. Deepti Singh, FICCI
33. Mr. Apoorv -SCMS
34. Mr. Arjun Singh, Handicrafts SSC
35. Mr. Ashish Anand, SCPwD
36. Mr. Bhuvnesh Kr. Verma, SSDF



37. Col A.K. Singh
38. Col A. Sharma
39. Mr. Alok Tripathi Director NIELIT
40. Mr. Koushik Dutta, EME SCHOOL
41. Ms. Monalisa Baruah (RCPSDC)
42. Ms. Neha Dave -Standards CSDCI
43. Bharti FFSC
44. Mr. Pankaj Bajaj - CSDCI
45. Ms. Pratibha NASSCOM
46. Mr. Pravesh Dudani Medhavi Skills
47. Ms. Priya LSC
48. Ms. Priyanka Pandey (DWSSC)
49. Ms. Priya-Sports SSC
50. Mr. Rajesh Deswal, Hartron
51. Ms. Reena LSC
52. Mr. Atul Madan, Apparel SSC
53. Mr. Saket Saurabh, NIELIT
54. Mr. Saurabh Gupta, BECIL
55. Mr. Dharm, BECIL
56. Mr. Ashish Anand, SCPwD
57. Ms. Shalini Singh -CGSSC
58. Mr. Shubham Agrawal, FFSC
59. Ms. Sunita Verma SCPwD
60. Dr. Himanshu, NIELIT
61. Mr. AR Yadav, Mewar University
62. Mr. Sher Singh Yadav, Corps of Signals
63. Mr. Satheesh, ASC
64. Ms. Anjali S Nair, ASAP
65. Mr. Aditya Katoch, INS
66. Mr. S. Ramachandran, NTTF
67. Mr. Chandrajit, AAD
68. Mr. Deepak Singh, RCPSDC
69. Mr. Deepak Rai, SSCGI
70. Mr. Pachmarhi, AEC
71. Dr. Swapna Mishra, Textile SSC
72. Dr. SK Tewari, NBRI
73. Dr. Sunita Badhwar, THSC
74. Dr. Vandana Tatra, ASCI



75. Mr. Gunjan Dubey, PSSC
76. Ms. Gurpreet Kaur, TSSC
77. Ms. Nupur, HCSSC
78. Mr. Hakim Mamka, PCSC
79. Mr. Himanshu, NIELIT
80. Hamla, INS
81. Shivaji, INS
82. Vishwakarma, INS
83. Ms. Jassi Dimple, MSU
84. Mr. Krishnan Koliyot - ASAP Kerala
85. Ms. Manshi, Lifesciences SSC
86. Chief Consultant, MoE
87. Mr. Mohit, TSSC
88. Ms. Namrata, NASSCOM
89. Ms. Nidhi, MoRD
90. Mr. Pankaj Giri, BECIL
91. Ms. Pratibha Sharma, PHDCCI
92. Mr. Praveen Sirohi, TSSC
93. Ms. Priya Dwivedi, Sports SSC
94. Ms. Priya Sharma BWSSC
95. Ms. Priya- Sports SSC
96. Ms. Priyanka, ASCI
97. Col. Lakshmi Narayanan, RVC
98. Ms. Radha Gautam, HCSSC
99. Mr. Rajagopalan, NTTF
100. Mr. Rajesh Deswal
101. Mr. Ravindra Singh, SCPwD
102. Ms. Reena, LSC
103. Mr. Ripunjay Singh, NIELIT
104. Mr. Rituraj Ranjan, ASCI
105. Mr. Sameer Daniel, Christ University
106. Dr. Niharika Nigam, SCPwD
107. Mr. Sadhanandham, Leather SSC
108. Ms. Samriti Takiar LifeSciences SSC
109. Mr. Santosh Saha, MEPSC
110. Mr. Shailendra K Agarwal, NTTF
111. Mr. Shankar, NTTF
112. Ms. Shefali Parab, GJSSC



113. Ms. Shivi Chaudhary, LSSSDC
114. Mr. Siddharth, MSU
115. Ms. Sneha, MEPSC
116. Mr. Srikant Mohapatra, PVC
117. Mr. Subbaiyan - IESC
118. Mr. Sudhir Kr. Jain, TSSC
119. Mr. Sukhjeet, Indian Navy
120. Ms. Vibhuti, THSC
121. Mr. Vijay Chatterjee, CEERI
122. Mr. W B Prasad, BECIL
123. Mr. Y K Sharma, BECIL
124. Mr. Yogesh Patil, Director, MSBSVET
125. Ms. Priyanka Pandey, THSC
126. Ms. Shalini Singh, CGSSC
127. Mr. Srikanth, ASCI
128. Mr. Pankaj Giri, BECIL
129. Mr. Parveen Kumar Tyagi
130. Ms. Pem Lhamu Bhutia
131. Ms. Pratibha Sharma
132. Mr. Praveen Sirohi, TSSC
133. Ms. Priya Dwivedi
134. Ms. Priya Sharma BWSSC
135. Ms. Priya- Sports SSC
136. Ms. Priyanka
137. Col. Lakshmi Narayanan, RVC
138. Ms. Radha Gautam_HCSCC
139. Mr. Rajagopalan
140. Mr. Rajender Waldia
141. Mr. Rajesh Deswal
142. Mr. Ravindra Singh, SCPwD
143. Ms. Reena
144. Mr. Ripunjay Singh
145. Mr. Rituraj Ranjan
146. Mr. Sameer Daniel
147. Mr. Saurabh Gupta
148. Dr. Niharika Nigam, SCPwD
149. Sadhanandham, Leather SSC
150. Ms. Samriti Takiar LifeSciences



151. Mr. Sanjay Kumar
152. Mr. Sanjeeth BS
153. Mr. Santosh Saha, MEPSC
154. Mr. Shailendra K Agarwal
155. Ms. Shalini S Sharma, PHDCCI
156. Mr. Shankar
157. Ms. Shefali Parab
158. Ms. Shivi Chaudhary, LSSSDC
159. Mr. Shreyas
160. Mr. Siddharth
161. Ms. Sneha, MEPSC
162. Mr. Srikant Mohapatra, PVC
163. Mr. Subbaiyan - IESC
164. Mr. Sudhir Kr. Jain
165. Mr. Sujan Banerjee Army Avn.
166. Mr. Sukhjeet
167. Ms. Vibhuti, THSC
168. Mr. Vijay Chatterjee
169. Mr. W B PRASAD
170. Mr. Y K Sharma, BECIL
171. Mr. Yogesh Patil, Director, MSBSVET
172. Mr. Gaurav Trivedi, IIT Guwahati
173. Mr. K. N. Bhutia, Sikkim
174. Mr. Karan Chhikara
175. Mr. Koushik
176. Mr. Nimesh Pandey
177. Mr. Pradeep vij
178. Ms. Priyanka Pandey
179. Ramella Chaitra
180. Ms. Shalini Singh, CGSSC
181. Mr. Srikanth
182. Mr. Vijay Kumar



Annexure-II



Report on Mapping of Qualifications with National Classification of Occupations (NCO) Codes

22nd August 2023

National Council for Vocational Education and Training (NCVET)

A handwritten signature in blue ink, likely of the official responsible for the report.

Contents

1. Introduction	26
2. Background	26
a. International Classification of Occupations	26
b. National Classification of Occupations	28
c. Skill Levels & NCO	31
3. Vocational Education & Training (VET)	31
a. The National Council for Vocational Education & Training (NCVET)	31
b. The National Skills Qualification Framework (NSQF)	32
4. Mapping of Qualifications with NCO	33
a. Relevance	33
b. Current Mechanism of NCO Mapping	34
c. Challenges	34
5. Committee on Mapping of Qualifications with NCO Codes	35
a. Composition	35
b. Terms of Reference	35
c. Meetings & Observations	13
d. Major Findings	36
e. Capacity Building	37
g. Recommendations	37
Annexure A	47
Annexure B	48
Annexure C	30
Annexure D	36



1. Introduction

- 1.1 The concept of *occupation* is defined as a “set of jobs whose main tasks and duties are characterized by a high degree of similarity”. A person may be associated with an occupation through the main job currently held, a second job, a future job or a job previously held. Occupational classification plays an important role in addressing the issues of the working population. Worldwide industrialization and globalization have increased the demand for a new international standard for occupations to facilitate the collection and reporting of related data. Classification of Occupations is intended both for use in compiling statistics and for client-oriented uses such as the recruitment of workers through employment offices, the management of migration of workers between countries and the development of Vocational Education & Training (VET) courses and guidance.
- 1.2 The VET & Skilling ecosystem has evolved rapidly in India in the past with policy impetuses like the National Skill Development Policy and Skill India. The focus is on to create a workforce empowered with the necessary and continuously upgraded skills, knowledge and internationally recognized qualifications in order to gain access to decent employment and ensure India's competitiveness in the dynamic global market.
- 1.3 India's working-age population is rising and stood at 68% compared with 67.3% in 2020 and 66% in 2015, according to the UNFPA's State of World Population Report 2023. India will have the youngest workforce in the world with a median age much lower than other countries. The other countries will have a higher proportion of the population which is not in the working-age group which will result in a shortage of manpower to the tune of 56 million. Indian workforce can fill this gap in India and abroad and result in greater economic growth as envisioned by the Hon'ble PM to make India Skill Capital of the World by creating a pool of world class skilled human resource in the country.
- 1.4 For development of a VET & Skill course/qualification which is internationally mapped and recognised, classification of the occupations in the country and their further mapping with international classifications becomes a prerequisite. Based on such classification each job in the country could be mapped to jobs of similar nature across countries providing necessary policy inputs for development of qualifications along with the enhanced international mobility for the learners.

2. Background

2.1. International Classification of Occupations

- 2.1.1. The International standard classification of occupations, abbreviated as ISCO, is an international classification under the responsibility of the International Labour Organization



(ILO) for organising jobs into a clearly defined set of groups according to the tasks and duties undertaken in the job.

2.1.2. The first ISCO version, known as ISCO-58, was adopted in 1957 by the Ninth International Conference of Labour Statisticians; subsequent versions were ISCO-68 (Eleventh International Conference of Labour Statisticians, 1966), ISCO-88 (Fourteenth International Conference of Labour Statisticians, 1987) and the fairly recent ISCO-08, adopted in December 2007. ISCO-08 is a four-level hierarchically structured classification that allows all jobs in the world to be classified into 436-unit groups. The framework used for the design and construction of ISCO-08 is based on two main concepts: the concept of job, and the concept of skill.

2.1.3. A job is a “set of tasks and duties performed, or meant to be performed, by one person, including for an employer or in self-employment”.

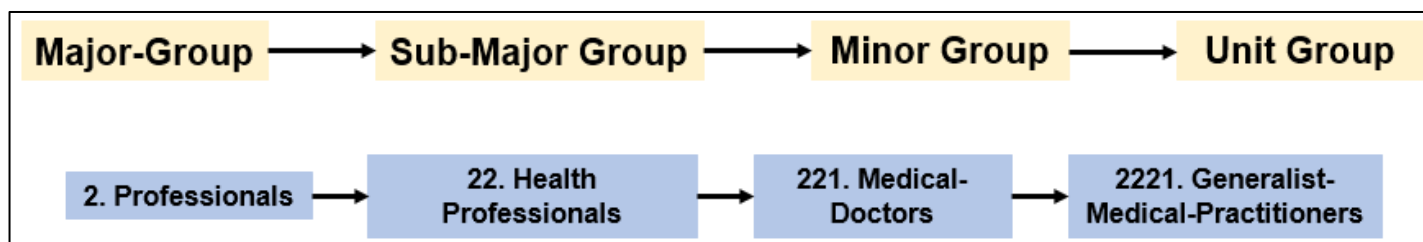
2.1.4. Skill is defined as the ability to carry out the tasks and duties of a given job.

2.1.5. ISCO 08 has a four-digit coding structure with a single digit representation for Major Groups, Sub-Major Groups, Minor Groups, and Unit Groups. This classification system contains the following categories:

- a. 10 - Major Groups
- b. Sub-Major Groups
- c. Minor Groups
- d. Unit Groups

2.1.6. Each group in the classification is designated by a title and code number and is associated with a description that specifies the scope of the group as follows:

- a. Major Group is denoted by a 1-digit code, example 2 Professionals.
- b. Sub-Major Group is denoted by a 2-digit codes, example 22 Health Professionals
- c. Minor Groups are denoted by 3-digit codes, example 221 Medical doctors.
- d. Unit Groups are denoted by 4-digit codes, example 2211 General Medical Practitioners



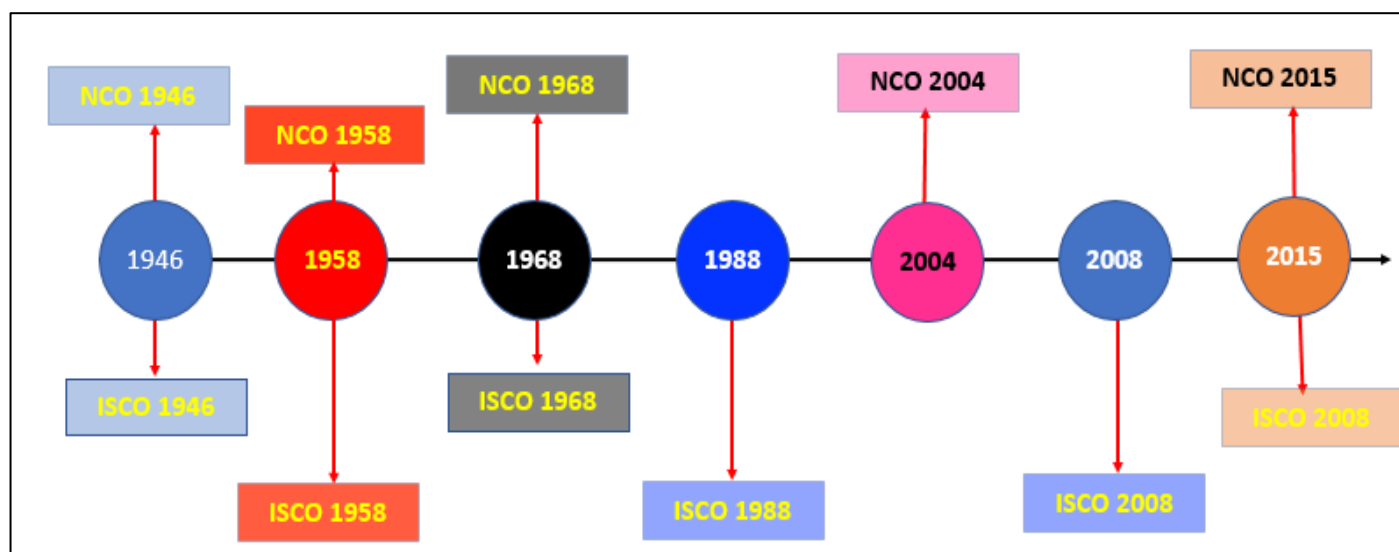
2.2. National Classification of Occupations

- 2.2.1. NCO is a classification of occupations, which describes and assigns codes to the various occupations in the country and aligns it with the ISCO. The classification of occupation is a categorization of individual occupations on the kind of work and skill-level involved in that particular occupation. It is intended that all the job titles in the nation can be assigned to one (and only one) of these categories or codes.
- 2.2.2. The first effort in the direction of preparing an occupational classification system in India was made by the then Directorate General of Resettlement and Employment, DGRE [later called the Directorate General of Employment and Training (DGE&T) and now referred to as Directorate General of Employment (DGE)] in 1946 in bringing out a publication titled “Guide to Occupational Classification” primarily to be used by employment service for day-to-day work at the Employment Exchanges such as registration of applicants, documentation of vacancies, compilation of statistical data, etc. It was an industrial-based classification and was framed after the British pattern.
- 2.2.3. International Labour Organization (ILO) brought out the first International Standard Classification of Occupations (ISCO) in 1958 with a view to bring out a complete occupational classification system, which could help in promoting international comparability of statistical data relating to occupations. The then DGE&T accordingly took up the work of preparing a National Classification of Occupations (NCO) on the lines of ISCO and brought out “National Classifications of Occupations – 1958”. NCO – 1958 contained detailed information about 1990 occupations.
- 2.2.4. The ILO introduced a number of changes in the ISCO – 58, namely called it ISCO – 66, applied the principle of ‘type of work performed’ more rigidly, and revised the Major, Minor, and Unit Groups (corresponding to NCO Divisions, Groups, and Families) of the classification. In order to ensure that NCO – 68 is compatible with ISCO – 66, DGE&T revised the code structure so that the new NCO, called NCO – 68, would be patterned after the ISCO – 66. While adopting the ISCO – 66 code structure, deviations were made, wherever necessary, to suit the Indian conditions and settings.
- 2.2.5. After a gap of about 3 decades the NCO – 2004 was brought out. During this period, the economic, social, industrial and agrarian fields underwent drastic changes. Globalization and economic liberalization had infused competitiveness amongst various industries. This led to changes in the work process and skill level of the workers. This also brought in a totally new class of jobs and functions. The ILO came out with a new version wherein not only the work performed, but also the skill level required was considered in the codification of occupations. This classification of skill levels was more or less based on the educational categories and levels, which appear in the International Standard Classification of Education (ISCED). The revision of NCO – 2004 was carried out in line with the approach

adopted by ILO in its ISCO – 88. As such, all the Unit Groups in ISCO – 88 were adopted as Families at 4-digit level, even though in some cases no Occupations at the specified skill level were identified so far. This was done to accommodate Occupations, which may become available in the near future. Owing to introduction of the concept of skill level and new aggregation at six-digit level in the NCO – 2004 classification, the code structure was radically changed. This resulted into breaking up and/or merger of some Divisions, Groups, and Families of the 1968 version. Due to this, exact equivalents of all the codes in the 68 version may not be available.

2.2.6. To map the job roles with the revised ISCO -2008 and to cater to dynamic requirements of job market the revision of NCO was undertaken and revised NCO was published in 2015. ISCO – 2008 and NCO 2015 are currently in use.

2.2.7. The evolution of ISCO and NCO is depicted in the diagram below:



2.2.8. The National Classification of Occupation – 2015 is an 8-digit coding structure which was mapped and aligned to ISCO – 08 with an addition of 2 digits. The coding structure of NCO – 2015 is as follows:

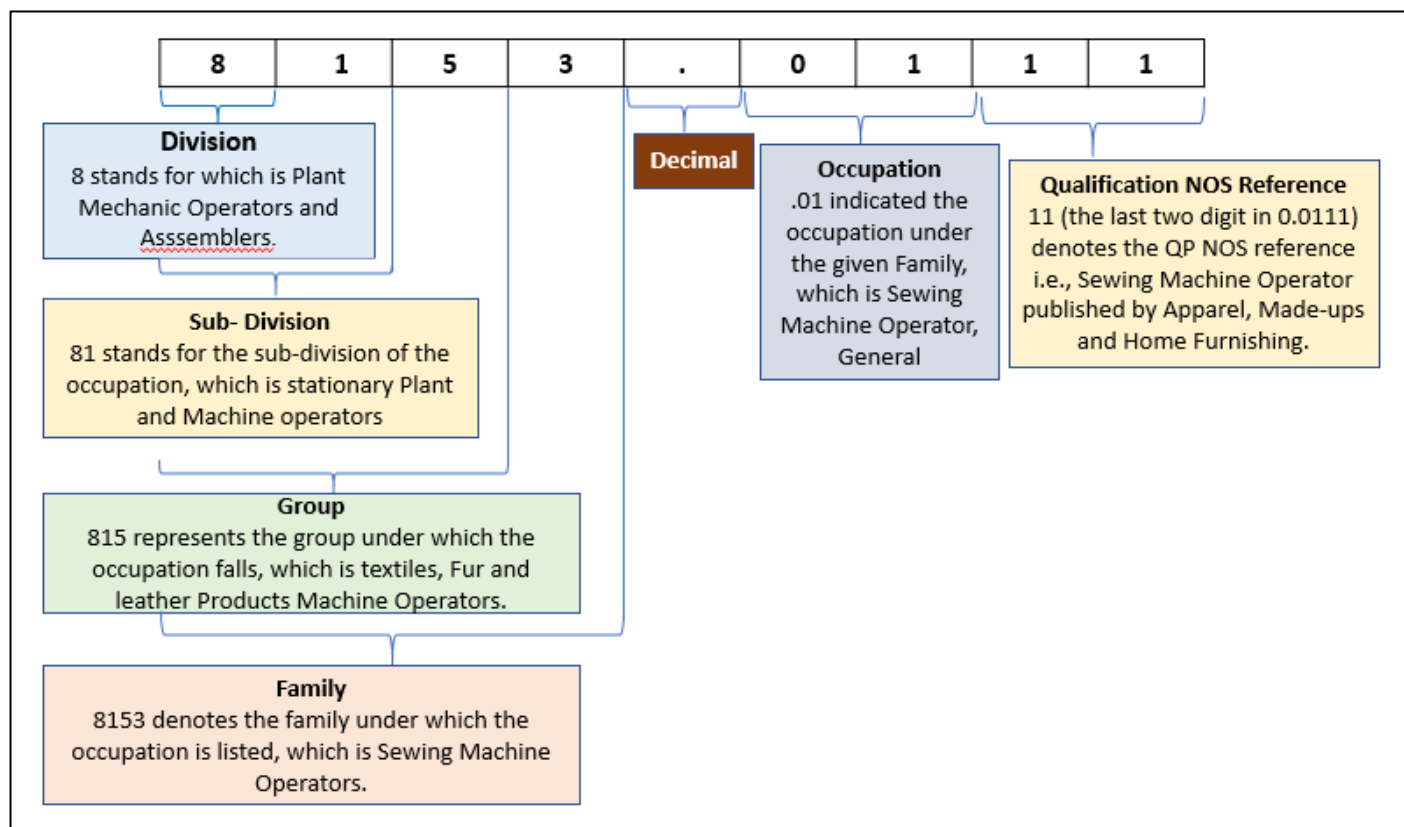
a. Before Decimal:

- i. The first digit will represent the Division (Major Group in ISCO)
- ii. The first two digits will represent the Sub-Division (Sub-Major Group in ISCO)
- iii. The first three digits will represent the Group (Minor Group in ISCO)
- iv. The first four digits will represent the Family (Unit Group in ISCO)
(A decimal is introduced after the first four digits in order to create a distinction between the Families and individual Occupations)

b. After Decimal:

- i. The first two digits will represent the different occupations that can be combined under the given Family.
- ii. The last two digits shall represent the availability of a NSQF aligned Qualification for the job role.

For example: 8153.0111 Code for Sewing Machine Operator.



c. The value of the last two digits would depend on two scenarios:

- 1.1.1 If Qualification is available, then the value of the last 2 digits after the decimal will be between 1-99 (arranged sequentially).
- 1.1.2 If Qualification is unavailable, then the value of the last two digits after the decimal will remain 00.

2.3. Skill Levels & NCO

2.3.1. NCO 2015 maps occupations with 4 levels of skills as prescribed by ISCO. These skill levels largely map occupations with the years of formal educational requirements. However, to suit the Indian requirements the cognizance of informal skill has been taken and the same has been incorporated in Skill Level I of NCO 2015. NCO 2015 has designed 9 divisions starting from serial no 1 to 9 in a manner that each division represents a particular skill level required to perform the corresponding jobs e.g., NCO 2015 division no 4 – ‘Clerks’ are mapped to Skill Level II which means any occupation falling under this division shall require secondary education level (11 to 13 years of education). *Detailed tables and explanation regarding the Skill Levels & corresponding NCO Divisions are placed as Annexure A.*

3. Vocational Education & Training (VET)

3.1 The National Council for Vocational Education & Training (NCVET)

3.1.1 The National Council for Vocational Education and Training (NCVET) was notified by the Government of India vide gazette notification no. SD17/113/2017-E&PW dated 05th December 2018. NCVET as an overarching skills regulator regulates the functioning of bodies engaged in vocational education and training, both long and short-term, and lays down minimum standards for the functioning of such bodies. NCVET strives to integrate fragmented regulatory systems involving multiple stakeholders and infuse quality assurance across the entire vocational training value chain, leading to strengthened outcomes.

3.1.2 As per Para 16, Point (f) of Chapter III (Functions and Powers of the Council) of the NCVET Gazette Notification, one of the important functions of NCVET is to frame guidelines for approval of qualifications & approve qualifications in the manner set out in such guidelines. NCVET approves qualification through the National Skills Qualification Committee (NSQC) which is housed in NCVET. Constituted by the Council, the NSQC comprises, amongst others, of the representatives from the select Central Ministries, the regulatory bodies of education and skilling ecosystem namely University Grants Commission (UGC) and All India Council for Technical Education (AICTE), Director General Training (DGT), Central Board of School Education (CBSE), select SSDMs (by rotation), select Industry Associations, the Awarding Bodies, and sectoral representatives. NSQC is the apex committee for approval of qualifications in order to align them with the National Skills Qualification Framework (NSQF).



3.2 The National Skills Qualification Framework (NSQF)

3.2.1 The National Skills Qualification Framework (NSQF) is an outcome and competency-based framework which organizes qualifications according to a series of levels of knowledge, skills, aptitude, and responsibility levels defined in terms of learning outcomes which the learner must acquire through formal, non-formal or informal learning which may comprise of academics, vocational education, training & skilling and experiential learning including relevant experience and proficiency/ professional levels acquired, subject to assessment. Thus, the NSQF is a skills' quality assurance framework.

3.2.2 The National Skills Qualification Framework (NSQF), which is an outcome and competency-based framework is composed of levels 1 (one) to eight (8). Each NSQF level is defined and described by a set of level descriptors expressed in terms of learning outcomes in five domains, which describe in general terms, the minimum knowledge, skills, and attributes that a learner needs to acquire in order to be certified for that level. The five domains are (1) professional theoretical knowledge, (2) professional and technical skills/ expertise, (3) aptitude, mind-set, soft skills, employment readiness & entrepreneurship skills, (4) broad learning outcomes and (5) level of responsibility.

3.2.3 The revised NSQF now provides for not only qualifications but also the smaller units of competencies like the National Occupational Standards (NOS) and Micro Credentials (MC) to be approved and aligned with the framework.

3.2.4 Every qualification defines and provides for the Occupational Maps and Progression Pathways to enable both horizontal and vertical mobility of students/ learners. The progression pathways shall be defined in each qualification to facilitate such vertical and horizontal mobility. For this, Awarding Bodies shall develop clearly defined Occupational Maps (OMs) of the sector concerned. Such OMs may show pathways within the same sector or across sectors.

3.2.5 The National Credit Framework (NCrF) enables creditisation of every learning hour subject to its assessment. The Credit levels to be assigned are based on the cumulative numbers of years of learning with assessment. "Credit" is recognition that a learner has successfully completed a prior course of learning, corresponding to a qualification at a given NSQF/ NCrF level. For each such approved qualification, the student/ learner would have put in such number of hours of learning (academic, vocational education & skill and experiential learning) or workplace experiential learning including relevant proficiency and professional levels acquired, so as to achieve the pre-defined and approved learning outcomes as part of the qualification, subject to valid, reliable assessment by a duly recognized assessment agency. NSQF aligned qualifications enable creditisation, Recognition of Prior Learning (RPL), extended, enhanced and improved mobility for the learner amongst other benefits.

4. Mapping of Qualifications with NCO

4.1 Introduction

One of the main objectives of any classification of occupations is to identify the occupations and jobs existing in the economy so that the gaps between the demand and supply of the skilled manpower may be ascertained. Based on such data, policy to address skill gaps which includes designing required VET & skilling programs is drafted and implemented. Classification of occupations also helps in mapping of domestic job roles of any country with corresponding international job roles classified under similar nature enhancing the international mobility of learners. Therefore, classification of occupations plays a major role in VET & Skill Development policy of any nation.

4.2 Relevance (Benefits of Mapping of Qualifications with right NCO codes)

4.2.1 Data generation with respect to existing job roles in the economy could further benefit in the following:

- a. Identification of existing job roles
- b. Identification of redundant job roles
- c. Identification of development in technology and other skills over a period of time i.e., Trend Analysis
- d. Identification of future job roles based on trends.
- e. Identification of skill gaps & skill mismatch
- f. Growth Analysis and predictions related to sectors/subsectors and job roles.

4.2.2 Based on the data analysis, develop VET & skilling Qualifications/NOS/MC for skilling, reskilling & upskilling (Need based development)

4.2.3 Mapping of Qualifications with international job roles; identification of gaps and developing training standards catering to international requirements

4.2.4 Designing & developing customised bridge courses for filling skill gaps both nationally & internationally

4.2.5 Equitable & efficient allocation of resources to VET & skilling initiatives based on actual & verified requirements.

4.2.6 Harmonised VET & skilling policy development and implementation

4.2.7 Facilitate international mobility with relevant skill development initiatives.

4.2.8 Development of authentic & market validated occupational maps providing for verified vertical & horizontal progression avenues to a learner.

4.2.9 Identify duplication of efforts or over emphasis in one occupation or job role

4.3 Current Mechanism of NCO Mapping

As a standard practice of NSQF alignment, all Qualifications are required to be mapped to a NCO code. All the Qualifications being submitted for NSQF alignment are required to be submitted in a template called 'Qualification File'. Qualification File serves as a standard template of bringing together the major parameters of a skill curriculum with its strategy of assessment, evidence of need, training requirements, credit values, etc. among others around a job role. Serial No. 14 of the Standard Qualification File Template requires information regarding the NCO Code of the proposed qualification (job role) to be submitted. All the Awarding Bodies are required to submit the complete Qualification File Template along with curriculum & other required annexures to NCVET for NSQF alignment. Accordingly, all Qualifications have the corresponding NCO Codes mapped and recorded in Q File template. In case an AB cannot find any matching NCO for the proposed Qualification, the same has to be communicated to NCVET.

4.4 Challenges

4.4.1 As explained above, mapping of NCO with Qualifications is a standard exercise. However, during the implementation certain anomalies in assignment of NCO codes to the Qualifications were observed as follows:

- a. **Non-Assignment of Code:** Some existing NSQF aligned & approved qualifications have not been assigned/ mapped to any NCO Codes.
- b. **Incorrect Assignment:** Some NSQF aligned & approved qualifications have been assigned wrong NCO Codes. When the learning outcomes & curriculum of the qualification do not match with the description of the mapped NCO occupation it amounts to a mismatch. Generally, the mismatch is reflected through the nomenclature contradictions. However, there could be cases where there could be different nomenclature of the qualification than that of the corresponding NCO occupation but the learning outcomes match.
- c. **Non-Availability of Codes:** For some qualifications no matching NCO codes are available e.g., futuristic job roles, Industry 4.0 etc.
- d. **Multiple Codes mapped to a single Qualification:** Some qualifications have been assigned multiple codes of different groups and families and sometimes even of different divisions.
- e. **New Skilling Areas:** Further, with an objective to recognise all types of VET & Skill learning across various types of institutions & systems both formal & informal, various types of qualifications are being aligned to NSQF e.g., Indian Knowledge System (IKS). All such qualifications shall also require relevant NCO Codes which currently are unavailable. With the integration of skilling in the Defence Forces with the VET & Skilling ecosystem, there are number of qualifications relevant to both industries and Armed Forces for which new NCO codes may have to be assigned in consonance with the ISCED/ISCO.



- f. **Assigning Codes to New Age Qualifications:** To cater to the dynamic requirements of the job market NCVET promotes and approves Multiskilling & Cross sectoral Qualifications. Smaller competencies units in terms of National Occupational Standards (NOSs) & Micro Credentials are also being approved and aligned to NSQF. However, assigning NCO codes to such new age qualifications & smaller units of competencies requires clarity and guidelines.
- g. **Assigning Codes to Rationalised Qualifications with Electives:** The code assignment to a qualification where choice of an elective is provided to learner also needs clarity since the competencies based on the elective a learner chooses will alter. Therefore, a single occupation with multiple electives might lead to different job roles and might map with multiple NCO codes.
- h. **Lack of Clarity amongst Awarding Bodies:** It was also observed that the ABs lacked clarity about the concept of NCO Codes, its importance & relevance and its overall application. Therefore, the ABs lacked the required motivation with respect to NCO codes assignment which often led to non-assignment or mismatch between NCO codes & qualifications.

5. Committee on Mapping of Qualifications with NCO Codes

5.1 Composition

To address the issues listed above, the National Skills Qualification Committee (NSQC) in its 26th meeting held on 31st January 2023 proposed to form a committee on mapping of qualifications with NCO codes under the chairpersonship of Executive Member, NCVET with members from Ministry of Labour & Employment (MoLE), MSDE, UGC, AICTE, NCVET, DGT, NSDC and select Awarding Bodies. Accordingly, the 'Committee on Mapping of Qualifications with NCO Codes' was notified on 14th February 2023 vide an Order No. 32001/12/2023/NCVET. The detailed Order containing composition of the Committee is placed as **Annexure B**.

5.2 Terms of Reference

- 5.2.1 Develop draft instructions/ Guidelines for reference by various ABs and stakeholders with respect to usage and mapping of NCO codes to qualifications/ job roles.
- 5.2.2 Propose an action plan for the mapping of VET qualifications including in the future/emerging skills and Industry 4.0 qualifications with NCO codes across sectors/ subsectors/ job roles etc., in line with the sectoral occupational maps prepared by the respective Awarding Bodies.
- 5.2.3 Review and analyse the status of NCO mapping across all the existing NSQF aligned



and approved qualifications along with their occupational maps to identify the gaps for taking appropriate actions for bridging the same.

5.2.4 Identify and list job roles that have not been assigned NCO codes:

- a. Assign existing NCO codes to the qualifications.
- b. Identify a list of qualifications for which NCO codes are not available.

5.2.5 Devise process for identification and rectification of the misalignment of NCO codes with the VET qualifications.

5.2.6 Devise process for mapping/ revising of nomenclature of the occupations as per NCO/ evolved market requirements.

5.2.7 Review and realign (if required) the NCO coding & nomenclature of occupations for high international mobility with the international nomenclature (ISCO). A capacity building plan may be created for various stakeholders.

5.3 Major Findings

5.3.1. The 09 sub-groups with CEOs of select Sector Skill Councils as lead members submitted their respective reports about mapping of their qualifications with NCO codes. The following were the main inferences attained from the exercise:

- a) 156 qualifications out of 2157 qualifications had been incorrectly mapped to the NCO codes.
- b) 256 qualifications could not be aligned with any NCO codes.
- c) Non availability of codes for Future skill/industry 4.0 qualifications.

5.3.2. Detailed findings of the Awarding Body wise qualification analysis undertaken is as below:

Total number of qualifications	2157
No. of job roles that have not been assigned NCO codes	256
Qualification with no NCO code where NCO code has been proposed	236
Qualifications for which NCO codes are wrongly mapped	156

Note: The qualifications which have been archived are not considered for the exercise. The qualifications which were active as of February 2023 have been considered for the exercise. Accordingly, 2157 qualifications of 45 ABs have been considered under this exercise. *The details of the Exercise undertaken by the subgroups is attached as **Annexure C**.*



5.4 Capacity Building

As per the decision of the committee all the NCVET recognised Awarding Bodies were divided in three different groups and capacity building workshops were held by MoLE for these groups. These groups also comprised NCVET officials. The details of the workshops held are as below:

Group Name	Date	Time	Venue
Group 1	28/04/2023	11:30 AM – 01:00 PM	NICS, Noida
Group 2	04/05/2023	02:30 PM – 04:00 PM	
Group 3	11/05/2023	11:30 AM – 01:00 PM	Video conferencing

5.5 Development of Handbook

As decided by the committee an exercise to develop user Handbook/SoP having guidelines/instructions for correct and easy mapping of qualifications with qualifications across sectors was undertaken. The existing NCO codes document is exhaustive but needed more simplification and granularity for awareness purposes. As a result, DGE and NCVET developed indicative guidelines/instruction on the use of NCO codes and their mapping to qualifications/job roles for use by various ABs and stakeholders. These guidelines/instructions are attached as **Annexure D**.

5.6 Recommendations

5.6.1 The Committee observed that NCO codes branch out in a highly standardized way, resulting in an accurate depiction of the kinds and types of job roles present in that occupation. These are also in line with international standards, which will create opportunities towards international equivalence and mobility of the learner's undertaking skilling and TVET qualifications and curriculum.

5.6.2 The Committee seeks to address the pertinent factors mentioned in the Issues and Observations sections and map all NSQF aligned and approved qualifications with National Classification of Occupations (NCO) Codes. One of the ways to effectively identify, analyse, and resolve the problems encountered so far while mapping the qualifications to the NCO Codes was to diligently carry out a thorough exercise of removing the anomalies in the currently mapped NCO codes. Based on major findings of this exercise, following is recommended by the Committee:

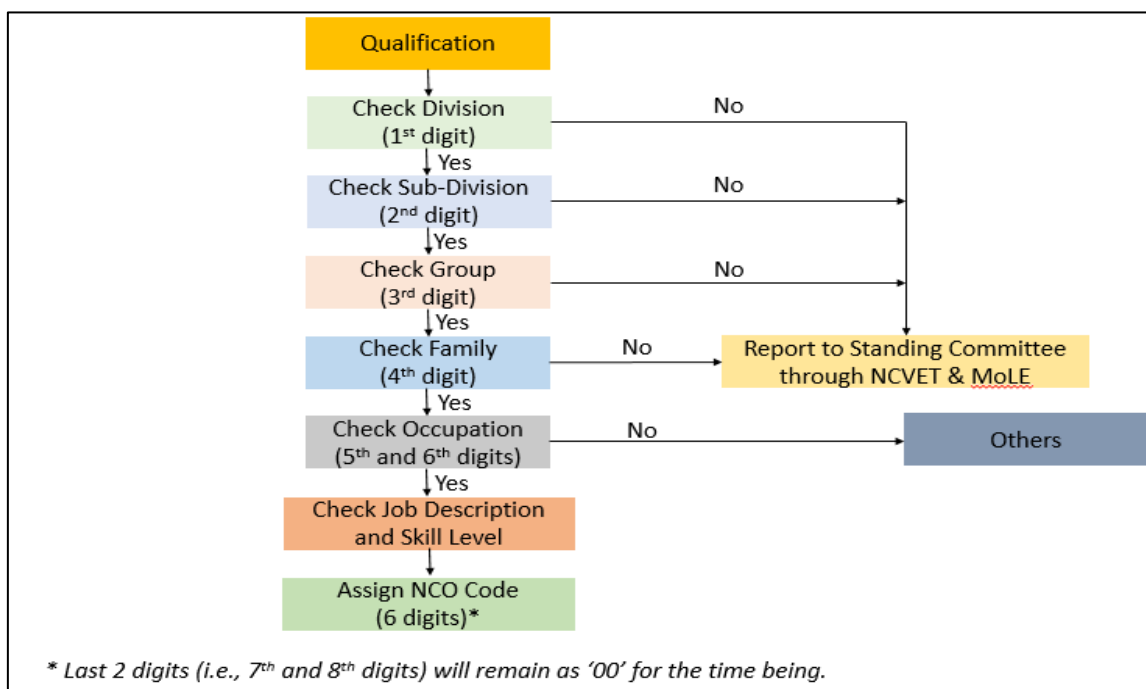
- a. **Standing Committee on NCO:** Since VET & Skilling is a dynamic ecosystem with evolving requirements and trends, the qualification development & alignment of qualifications to NCO codes is also a dynamic activity. Also, with expanding scope and operations of VET & Skilling in the country, new stakeholders in the form of ABs will keep entering the ecosystem. In addition, NCO codes are framed for long intervals as its revision is undertaken after years. Therefore, to address the day-to-day operational issues, interpretational matters and for conflict resolution with respect to mapping of qualifications with NCO codes, a standing committee may be formed. This committee must have representatives from NCVET and



MoLE respectively amongst others and be jointly chaired by EM, NCVET and DDG, MoLE. This committee shall be housed at NCVET and shall hold meetings as and when required depending on the matters to be addressed. Additionally, it is also recommended that the nodal officers from both NCVET and MoLE with respect to assignment of NCO Codes to qualifications may be nominated, who shall serve as a single point of contact with respect to all code assignment matters.

- b. Development of Online Solution for Authentic Assignment of NCO Codes:** Committee recommends that an online solution which works on Artificial Intelligence and Machine Learning to map various parameters of a qualification with the listed occupations under NCO may be developed. Such solutions should be able to map the qualifications with the most suitable and relevant NCO Codes on the click of a button. Such solutions shall also be able to find out discrepancies and non-availability of codes.
- c. Assigning Codes to Qualification:** Assignment of relevant codes to qualifications requires understanding of the NCO concepts and classification. ABs generally find it difficult to identify the relevant occupations under which the qualification shall lie. To make assignment of codes easy and swift:
- Two process flow charts have been designed. The flow charts with use cases are explained as follows:

A. Downward Assignment



USE CASE

Engraver- NCO 2015\7313.1900

The methods outlined in the flow chart above can be used to determine the appropriate NCO code for a qualification called 'Engraver' produced by HCSSC.

Step 1: Determine the relevant Division, i.e., 7, under which the qualification falls, is the 'craft and related trades workers category'.

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 73, which is handicraft and printing workers.

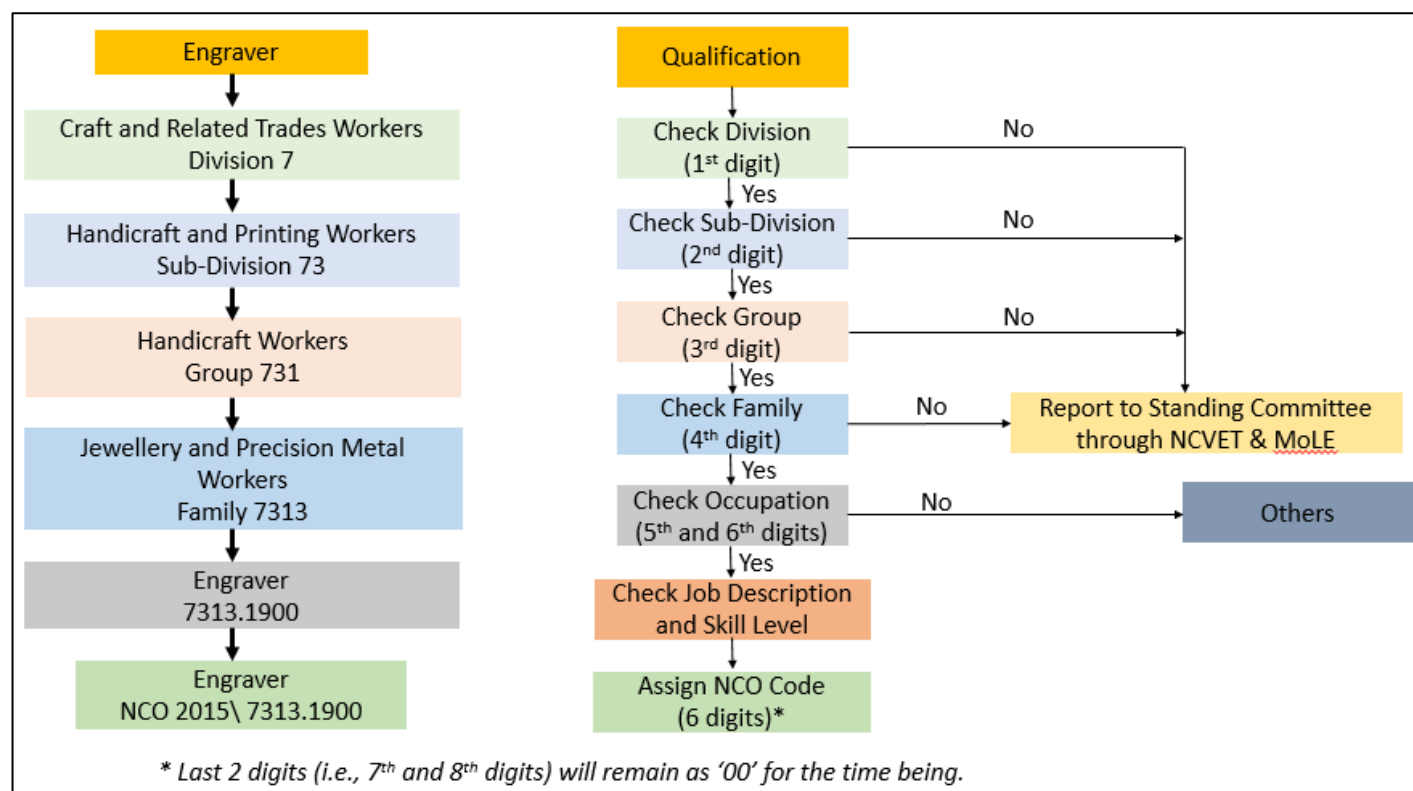
Step 3: The Group is now found to be 731, which is handicraft workers.

Step 4: Next, look in the Family for the qualification 7313 under jewellery and precision metal workers.

Step 5: When reviewing the job description and the skill level for the qualification, the 5th and 6th numbers for the code are recorded as 19.

Step 6: As a result, the qualification's NCO Code is 7313.1900.

Note: The last two digits (i.e., the 7th and the 8th digits) will remain as 00 for the time being. Please refer to recommendation no. 'vii' for details.



Drone Developer (Software) – NCO 2015\ 2512

To determine the relevant NCO code for the 'Drone Developer (Software)' qualification developed by IT-ITeS SSC, complete the steps outlined in the flow chart above:

Step 1: Determine the relevant Division, i.e., 2, under which the qualification falls, is the 'Professionals'.

[Handwritten signature]

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 25, which is 'Information and Communication Technology Professionals'.

Step 3: The Group is now found to be 251, which is 'Software and Application develops, and Analysts'.

Step 4: Next, look in the Family for the qualification 2512 under Software Developers.

Step 5: When reviewing the job description and the skill level for the qualification, there are 8 occupations which are listed under the family. However, an exact match for the qualification 'Drone Developer (Software)' cannot be found.

Step 6: If the AB feels that the Job Description of the Qualification File doesn't match with any of the 8 occupations listed then a code till first four digits that is upto family level can be assigned which in this case is 2512, and the same maybe communicated to the Standing Committee.

Assistant Yoga Instructor - NCO 2015\ NIL

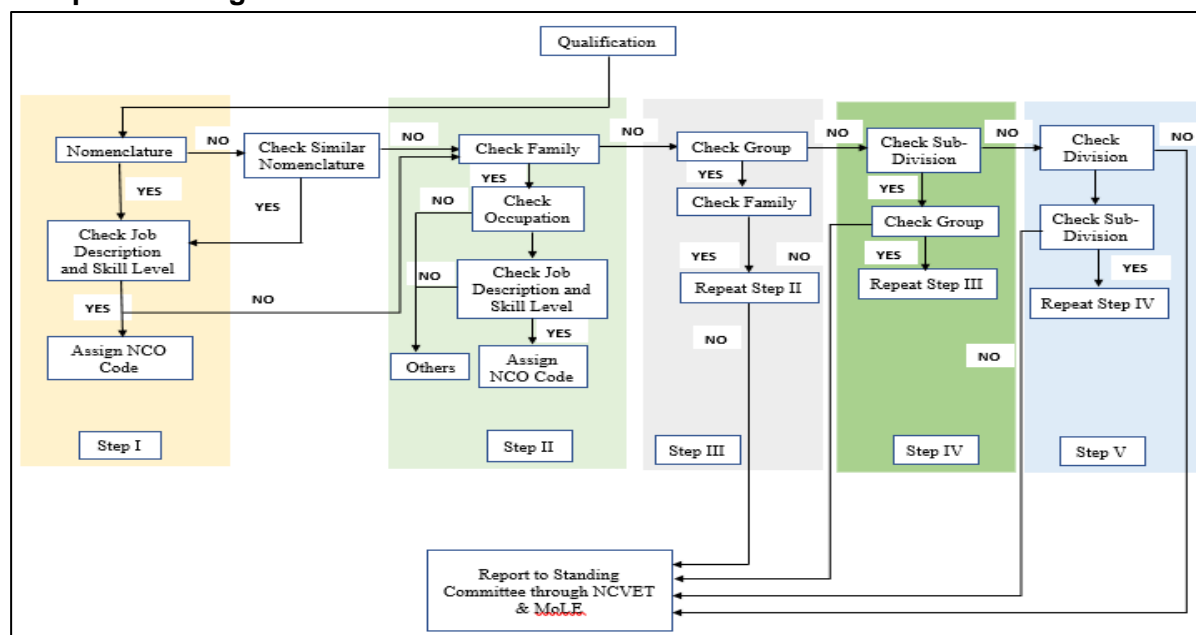
By following the steps specified in the flow chart provided, one can ensure correctness in providing the correct code for the certification 'Assistant Yoga Instructor' created by Healthcare SSC:

Step 1: It can fall under Division 2 and 3, but while going the detailed description of both the divisions, it was found that it is best suited under Division 3, under which is the 'Technicians and Associate Professionals'.

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 34, which is 'Legal, Social, Cultural and related Associated Professionals'.

Step 3: However, after this sub-division, no further Group can be mapped to the qualification. Therefore, no code can be assigned for the abovesaid qualification and the representatives of the Standing Committee, MoLE, or NCVET must be notified.

B. Upward Assignment



[Handwritten signature]

USE CASE:

Engraver- NCO 2015\7313.1900

The methods outlined in the flow chart above can be used to determine the appropriate NCO code for a qualification called 'Engraver' produced by HCSSC.

Step 1: The precise nomenclature is confirmed and easily located.

Step 2: The job description and skill level as defined by the qualification are now mapped, if they are deemed to be relevant to the qualification.

Step 3: The NCO Code 7313.1900 is therefore mapped and assigned to the 'Engraver' qualification.

Drone Developer (Software) – NCO 2015\2512

To determine the relevant NCO code for the 'Drone Developer (Software)' qualification developed by IT-ITeS SSC, complete the steps outlined in the flow chart above:

Step 1: The exact name of the qualification is sought in the concordance table, but it is not found. As a result, proceed to check the qualification using the same nomenclature as shown in the flowchart.

Step 2: When checking for same nomenclature in the table, it is discovered that 8 occupations exist, so we check the Job description and the Skill Level.

Step 3: The exact job description cannot be mapped and thus we will look for the family that the qualification may come under. It is found that the qualification can be mapped under family 2, and thus proceed to the next step.

Step 4: The exact occupation cannot be found and thus we find the relevant Group, Sub-division and Division which is found to be 2512. However, an exact match for the qualification 'Drone Developer (Software)' cannot be found.

Step 5: If the AB feels that the Job Description of the Qualification File doesn't match with any of the 8 occupations listed then a code till first four digits that is upto family level can be assigned which in this case is 2512, and the same maybe communicated to the Standing Committee.

Assistant Yoga Instructor - NCO 2015\NIL

By following the steps specified in the flow chart supplied, one can ensure correctness in providing the correct code for the certification 'Assistant Yoga Instructor' created by Healthcare SSC:

Step 1: The exact name of the qualification is sought in the concordance table, but it is not found. As a result, proceed to check the qualification using the same nomenclature as shown in the flowchart.

Step 2: When checking for similar nomenclature in the table, it is discovered that it does not exist, so we go to the next step.

Step 3: Look for the family that the qualification may come under. If no family can be discovered, proceed to the next step.

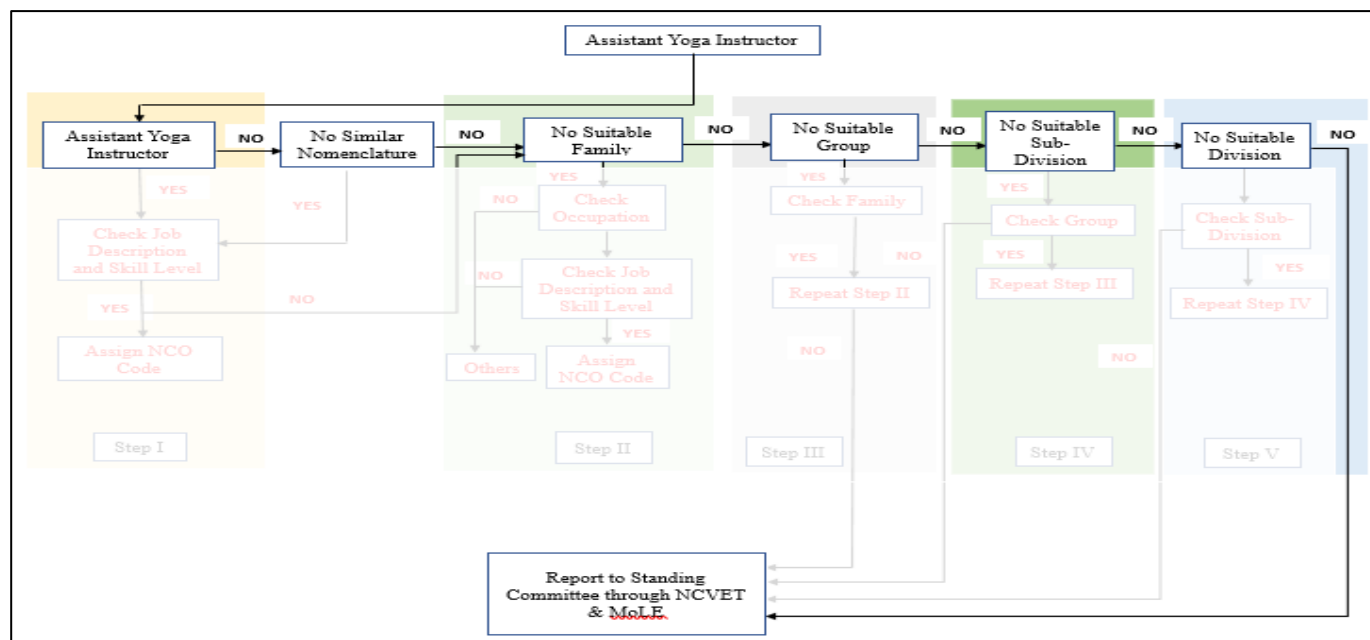
Step 4: If no applicable Group under which the qualification falls is found while searching for it, go to the next step.

Step 5: Look for the qualification in Sub-Division. If no appropriate Sub-Divisions are located, proceed to the next step.

Step 6: While going through the Division, it can be found that the qualification can fall under division 2 and 3 both. But while going the detailed description of both the divisions, it was found that it is best suited under Division 3, under which is the 'Technicians and Associate Professionals'. Therefore, no code can be



assigned for the abovesaid qualification and the representatives of the Standing Committee, MoLE, or NCVET must be notified.



ii. **Note:** For searching various matching families, occupations, with respect to a qualification, Ministry of Labour and Employment has developed a search engine which is available at <https://dge.gov.in/dge/nat>.

iii. For ease of identification and assignment of codes to qualifications, committee had also recommended to draft a Handbook containing guidelines/SoP enabling stakeholders esp. ABs to map qualifications with relevant NCO codes. This handbook must enable easy understanding of concepts & processes. Accordingly, DGE and NCVET have developed indicative guidelines/instruction on the use of NCO codes and their mapping to qualifications/job roles for use by various ABs and stakeholders. These guidelines/instructions are attached as **Annexure IV**.

d. **Assigning Codes to Multi Skilling Qualifications:** Qualifications which pan across sectors/subsectors or have multiple job roles or electives may be assigned multiple NCO codes. However, these NCO codes must correspond to the job roles or occupations which the learner will be able to undertake after successful completion of a particular elective or multiskilling qualifications.

e. **Assigning Codes to Qualifications for which NCO cannot be mapped:** Qualifications for which exact occupation is not available in the current NCO mechanism, codes may be assigned under the 'OTHER' category in that family. If the Awarding Body does not find the 'OTHER' category listed under the family NCO code till family level i.e., the first 4 digits of the NCO code may be assigned. However, such cases where occupation is not available for a qualification must be reported to the NCVET, so that the same may be further reported to

the Standing Committee on NCO for inclusion in the NCO list. Further, if a qualification is not traceable under any family code also then no code may be assigned and the same may be reported in the same manner. In no case a code less than that of 4 digits i.e. less than family level be assigned to any Qualification. Since, the first four digits are mapped to ISCO, a mandatory mapping of qualifications to the ISCO level is recommended.

- f. Assigning codes to emerging & futuristic qualifications:** It was observed by the committee that currently NCO 2015 does not have adequate occupations for emerging & futuristic qualifications. It is recommended that for such qualifications the same process as mentioned for 'Qualifications for which NCO cannot be mapped' above is followed. However, all such qualifications shall be reported to NCVET, so that the same may be further reported to the Standing Committee on NCO for inclusion in the NCO list. The Awarding Bodies are also advised to outline a plan of action for development and subsequent mapping of such qualifications, including Industry 4.0 & beyond qualifications, across sectors, subsectors, in accordance with the sectoral occupational maps created.
- g. Assigning Codes to Qualifications pertaining to Traditional & Heritage skills:** The Indian Knowledge System and Heritage skill sets, which include a variety of sociocultural and traditional arts, are interdisciplinary and very much relevant & applicable in the modern world. Such qualifications might not currently have a commensurate NCO code assigned at any level i.e., family or occupation level. For such qualifications, as and when these are submitted for NSQF alignment, the standing committee on NCO may be informed and then the committee may forward the same to MoLE for generation of new codes.
- h. Assigning Codes to Defense Qualifications:** Assigning NCO Codes to army qualifications represents a positive step towards harmonizing military and civilian education systems. Previously, the courses offered by the army were given separate codes by MoLE. However, with the aim of aligning army qualifications with civilian qualifications, a common NCO Code is now being assigned to both general qualifications and army qualifications that has resulted in the invalidation of the DGR Code that was previously used for army qualifications. By adopting a common NCO Code, it becomes easier to understand and compare the skills and knowledge acquired through army training with those obtained through civilian education. It allows for a seamless recognition of army qualifications within the broader framework of national qualification standards. It ensures that army personnel receive appropriate recognition for their skills and expertise, opening up new opportunities for career progression outside of the armed forces.
- i. Utilising the last two digits (Qualification/NOS Reference):** The last two digits of a qualification after decimal reflect the Qualification or NOS which have been aligned to NSQF under that occupation. It was observed by the committee that currently the understanding regarding utilisation of these digits is not adequate and hence the complete codes i.e. up till the last two digits after decimal (complete code of 8 digits) are not being assigned.



Committee observed that there is significant value of these digits as once the qualifications are mapped to complete NCO codes, all qualifications will have unique codes and NCO will also reflect the number of qualifications which have been aligned to NSQF under a particular occupation. However, mapping of qualifications to complete codes shall require a complete revision of all qualifications by all awarding bodies in a coordinated manner. Given the current state of awareness about NCO in the ecosystem and the disruption this exercise (mapping of all qualifications with complete NCO codes) is likely to cause, committee recommends that the mapping of all qualifications till the family level and preferably occupation level i.e. till 4 digits and preferably 6 digits be completed on priority. Once the understanding about the NCO codes is established amongst the Awarding bodies and all qualifications are assigned codes upto atleast family and preferably occupation level, exercise to assign complete codes i.e., till 8 digits, may be undertaken.

- j. **Industry Collaboration:** The ABs must consult the industries while assigning a code to a qualification since the industries are the end users and they exactly know the job requirements expected out of trained personnel. Therefore, mapping of the current job requirement in the industry with the job description mentioned in the corresponding NCO occupation must be mapped. Subsequently, mapping of the NCO Codes with job portal may also be undertaken in order to enhance the employment opportunities for the trained workforce and bridging the gap between the skilled workforce demand and the supply.
- k. **Verification of NCO Codes:** The respective ABs are responsible for identification of NCO codes to qualifications. Currently the ABs record these codes in the Q-File template and submit the same to NCVET for NSQF alignment. The primary and only check with respect to verification of NCO is undertaken at NCVET. However, the committee recommends that such allocation of codes shall also be verified by DGE, MoLE, which is an authority in this field. Therefore, it is recommended that all ABs shall provide the relevant information with respect to the allotment of NCO Codes to a qualification in a specified template (to be developed by NCVET and provided as an annexure to the Q-File template) along with submission of Q-File for NSQF alignment. For cases where no suitable NCO codes are found available or any other code related discrepancies, the information may be shared by NCVET with DGE, MoLE on a quarterly basis for suggestions and advice. DGE, MoLE will provide inputs with respect to the reported cases. In case of any dispute, matter requiring policy directions or any other matter of similar nature, the same shall be forwarded to the Standing Committee for NCO which shall convene its meeting as and when required.
- l. **DGE, MoLE as part of NSQC:** Given the importance of the NCO Codes with respect to DGT and Skill Qualifications it is imperative the veracity of the codes is established. Also, employment forms the most important part of the skill training value change. Therefore, it is also advisable that the inputs as advice of MoLE are received on important skill development decisions. Therefore, the committee recommends that DGE, MoLE may be requested to form part of NSQC as standing member. It is also recommended that along with



qualifications also form part of the NSQC Meeting agenda so that the members are well informed about the proposed qualifications codes in advance.

- m. Annual monitoring and oversight:** Committee recommends that the periodic review and analysis of the NCO mapping across all NSQF aligned and approved qualifications as well as their occupational maps shall be undertaken. This shall enable to find gaps and take the necessary steps to close them in an annual periodicity. This review exercise must be undertaken by the concerned Awarding Bodies for their Qualifications and an annual report shall be submitted to the standing committee on NCO mapping.
- n. Rating and Grading of Awarding Bodies:** Committee recommends that to establish the importance of correct assignment of NCO Codes to the qualifications and to bring earnestness in the efforts of ABs towards the whole exercise of assignment of NCO Codes to qualifications. "*The veracity of NCO Codes assigned to qualifications*", may form as a major parameter for rating and grading of ABs.
- o. Revision of NCO:**
- i. The first four digits of the NCO are mapped to ISCO which ensures international comparability and mobility. The NCO 2015 has also added occupations suitable to Indian requirements which are over & above ISCO. However, still it is felt that given the vast expanse of Indian job market both in terms of nature & number, and due to varied socio-economic conditions, rich traditional history there are a number of job roles which have not been covered by the current NCO list. Committee recommends that in addition to ISCO list, there must be provision for adding Indian classification at Group, subgroup & family level. The issue must be taken up when the NCO is being revised in the future. Committee also recommends that NCVET being the unified national regulator for VET & skills may also form part of the revision exercise as & when it takes place.
 - ii. Since ISCO does not cover all occupations which exists in the Indian economy, it is recommended that efforts should be made to include these occupations at appropriate ISCO levels, i.e., division, sub-division, group and family. For this, a proposal with the list of such occupations and justifications (relevance wrt international market) may be drafted as and when the revision of ISCO takes place, India must strongly put her point of view along with such proposals forward for inclusion of these occupations in revised ISCO.
 - iii. Para 4.1 of the NCO 2015 mentions 'Considering the dynamics of the labour market and addition of new QP NOS by the SSCs over a period of time, the NCO – 2015 codes would be reviewed and updated periodically. This eight-digit coding structure provides ample scope for addition of Families or Occupations to the NCO, if required, in the future.' Accordingly, till such time when the NCO 2015 is reviewed as per changes in ISCO, MoLE may enable provisions for adding occupations in the current list of the NCO for assignment of codes to Qualifications which are currently not mapped. Such addition may be done on the request of Standing Committee for NCO mapping.



- p. **Capacity Building:** It was strongly felt that to create more awareness and for enablement of right NCO mapping, capacity building workshops of the stakeholders be held. As per the recommendation of the committee, three online and offline workshops have been organized for all Awarding Bodies. However, it is recommended that workshops and other awareness exercises be undertaken for all stakeholders periodically. DGE, MoLE may conduct Training of Trainer Program for NCVET officials on NCO Coding in order to enable them further to undertake awareness workshops/seminars regarding the same.



Annexure A
(Skill Levels & NCO 2015)

Skill Levels & NCO 2015

While designing NCO 2004 on the pattern of ISCO – 88, the skill levels as defined in the ISCED were modified to suit the Indian conditions taking particular cognizance of informal skill. In the Indian context, the skills necessary to perform the tasks and duties of a given job can be acquired not only through formal education but also through informal training and experience. Further while aligning NCO – 2004 to ISCO – 2008, it was noticed that a number of completely new Sub-Major Groups, Minor Groups, and Unit Groups have been introduced to ISCO – 2008. This led to a total revamp of Groups and Families in NCO – 2015. Many existing Families were either split or merged into different Families. The four skill levels as defined by ISCO were mapped to NCO 2015 as follows:

Skill Level	ISCO – 08 Educational Requirements	NCO – 2015 Educational Requirements
I	Primary Education	Up to 10 years of formal education and/or informal skills
II	Secondary Education	11-13 years of formal education
III	First University Degree 14-15 years of formal education	Post-Graduate University Degree
IV		More than 15 years of formal education

In keeping with the skill levels defined above to suit Indian conditions, following Divisions were classified in tune with the defined skill levels to accommodate Occupations:

NCO 2015 Divisions	Title Skill Level	Skill Level
1	Legislators, Senior Officials, and Managers	IV
2	Professionals	III
3	Associate Professionals	II
4	Clerks	II
5	Service Workers and Shop & Market Sales Workers	II
6	Skilled Agricultural and Fishery Workers	II
7	Craft and Related Trades Workers	II
8	Plant and Machine Operators and Assemblers	II
9	Elementary Occupations	I



**Annexure B
(Composition of Committee)**

**File No. 32001/12/2023/NCVET
National Council for Vocational Education &
Training Ministry of Skill Development &
Entrepreneurship Government of India**

Date: 14/02/2023

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Constitution of Committee on mapping of qualifications with National Classification of Occupation (NCO) Codes-Reg.

1. This is in reference to the Minutes of the Meeting of National Skills Qualification Committee (NSQC) held on 31st January 2023 to constitute a committee on harmonisation of NCO codes with the NSQF aligned qualifications. The Committee shall function under the chairpersonship of the Executive Member, NCVET, Dr. Vinita Aggarwal and members at the level of Directors and above from various undermentioned organisations:

2.

Serial Number	Name & Organisation	Committee Designation
b)	MSDE	Mr Nilambuj Sharan
a)	Directorate General of Employment, MoLE	Mr Amit Nirmal, DDG (Emp)
c)	UGC	Dr Manju Singh
d)	AICTE	Dr T G Sitharam
e)	DGT	Ms Trishaljit Sethi
f)	CIPET	Prof Shishir Sinha
g)	NIELET	Mr Rajneesh Asthana
h)	RSETI	Mr R R Singh
i)	JSS	Mr R. Sura
j)	CEO, Furniture & Fittings Sector Skill Council	Mr Rahul Mehta
k)	CEO, SCPwD	Mr Ravindra Singh
l)	CEO, ASDC	Mr Arindam Lahiri
m)	CEO, ASCI	Dr Satendra Arya
n)	CEO, Media & Entertainment Sector Skill Council	Mr Mohit Soni
o)	CEO, Health Sector Skill Council	Mr Ashish Jain
p)	CEO, Apparel	Dr Roopak Vasishta
q)	Director, NCVET	Col Santosh Kumar

Terms of Reference.

1. The Terms of Reference for the Committee shall be as under: -
 - a. Draft instructions/ Guidelines for reference by various ABs and stakeholders with respect to usage and mapping of NCO codes to qualifications/ job roles.
 - b. Propose an action plan for the mapping of VET qualifications including in the future/emerging skills and Industry 4.0 qualifications with NCO codes across sectors/ subsectors/ job roles etc., in line with the sectoral occupational maps prepared by the respective Awarding Bodies.
 - c. Review and analyse the status of NCO mapping across all the existing NSQF aligned and approved qualifications along with their occupational maps to identify the gaps for taking appropriate actions for bridging the same.
 - d. Identify and list job roles that have not been assigned NCO codes:
 - i. Assign existing NCO codes to the qualifications.
 - ii. Identify a list of qualifications for which NCO codes are not available.
 - e. Devise process for identification and rectification of the misalignment of NCO codes with the VET qualifications.
 - f. Devise process for mapping/ revising of nomenclature of the occupations as per NCO/ evolved market requirements.
 - g. Review and realign (if required) the NCO coding & nomenclature of occupations for high international mobility with the international nomenclature (ISCO). A capacity building plan may be created for various stakeholders.
2. The Committee may invite experts or any additional members to provide inputs as per the requirements of the Terms of Reference.
3. First physical meeting of the Committee has been scheduled under the chairmanship of Executive Member, NCVET on **20/02/2023** at **11:30 AM** in the Conference room, 3rd Floor, National Council for Vocational Education and Training, Kaushal Bhawan, Pusa Road, New Delhi.
4. The details of the Committee members nominated by the concerned organisation is requested by **15/02/2023** as per the format given below:

Name of the Member	Designation	Email ID	Contact Number (Mobile)
--------------------	-------------	----------	-------------------------

5. This issues with the approval of the Competent Authority.



(Col Santosh Kumar)

Member Secretary & Director, NCVET

secretary.ncvet@gov.in

PS to Chairperson, NCVET

PS to Executive Member, NCVET



Annexure C

Report on Mapping of NSQF aligned qualifications with NCO Codes

Sl. No.	Awarding Bodies	Total number of qualifications	No. of job roles that have not been assigned NCO codes	Qualification with no NCO code where NCO code has been proposed	Qualifications for which NCO codes are wrongly mapped
1	DGT	463	0	11	0
2	ASCI	170	42	29	0
3	ASDC	116	27	0	0
4	MESC	100	0	0	0
5	IT-ITES	95	39	39	34
6	Handicraft	93	18	9	27
7	ESSCI	88	54	50	20
8	THSC	77	10	8	16
9	Textile	71	0	10	10
10	RCPSDC	63	48	29	8
11	FICSI	61	27	24	1
12	HSSC	56	13	13	0
13	SCGJ	53	1	1	0
14	NIELIT	52	0	0	0
15	AASSC	51	25	24	16
16	CSDC	57	0	2	0
17	TSSC	49	8	8	10
18	GJSSC	42	0	1	1
19	MEPSC	39	4	0	0
20	CGSC	37	1	1	0
21	Apparel	36	5	0	1
22	LSSC	33	0	0	23
23	Iron	31	13	13	0
24	B&WSSC	30	8	0	0
25	Infra	28	0	0	0
26	PCSC	28	0	10	0
27	LSSSDC	26	1	1	0
28	Mining	26	0	0	0
29	HSSC	21	3	3	0
30	IASC-SSC	14	0	0	0
31	DWSSC	13	0	0	5
32	BFSI	13	0	7	0
33	FFSC	12	0	0	0
34	Leather	11	0	0	10

35	SCPwD	8	1	1	0
36	WMPSC	6	0	0	0
37	Sports	28	0	0	13
38	Power SSC	28	0	3	0
39	RASCI	19	0	0	2
40	CIPET	37	0	20	0
41	ASAP, Kerala	9	0	0	5
42	KSDC	23	0	0	0
43	WBSCTVESD	9	1	8	0
44	HARTRON	17	0	0	8
45	JSS	15	0	0	0

TOTAL	2157	256	236	156
--------------	-------------	------------	------------	------------

USER HANDBOOK ON MAPPING OF QUALIFICATIONS WITH NCO CODES

1. Introduction

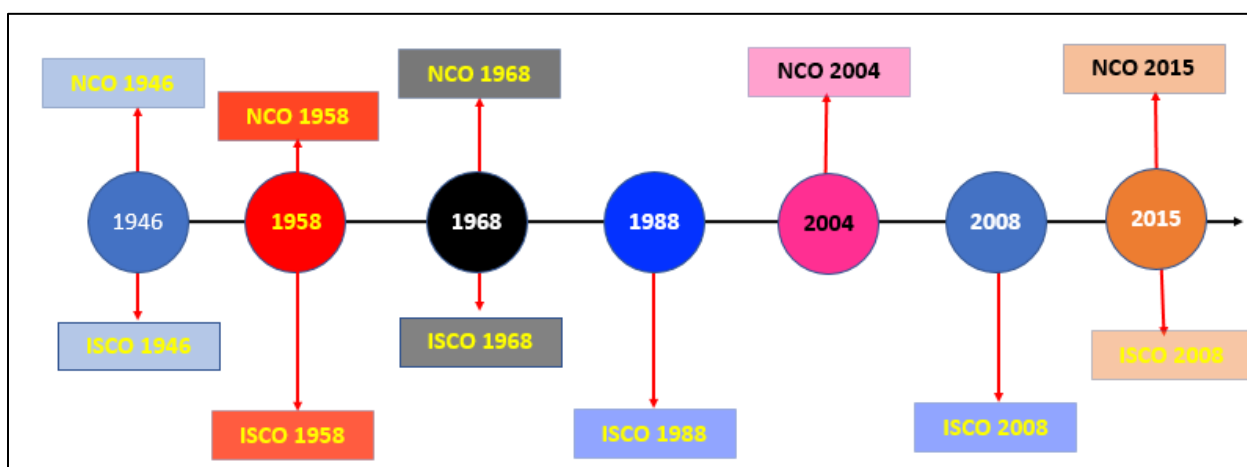
The National Classification of Occupations (NCO) is a stratification for categorizing occupations that aligns with the International Standard Classification of Occupations (ISCO-08). NCO has been a robust system of classification of occupations in the country which predates NSQF and is internationally harmonized for the existing and emerging occupations and job roles. As a standard practice of NSQF alignment, all Qualifications are required to be mapped to an NCO code. The need for internationally comparable occupational data has grown as a result of the globalization of the labour market. The NCO is also reflected in the Qualification File Template, which aids in aligning training programmes to the existing occupations in the industry, which further empowers NCVET recognized Awarding Bodies, learners, academia, industry, and policy makers with greater insight to make well-informed decisions.

In spite of having a detailed guideline on how to map the qualification with the NCO Code, there are still a number of gaps while assigning NCO Codes and thus the user handbook on mapping of qualifications is being developed that will enable the skill ecosystem to provide the right qualification with the right occupations so as to fit in the correct occupational map and progression pathways.

However, the detailed guideline for the National Classification of Occupations-2015 (Code Structure) can be referred at the link:

https://www.ncs.gov.in/Documents/National%20Classification%20of%20Occupations%20_Vol%20I-%202015.pdf

2. Historical background of the Evolution Of ISCO/ NCO Codes



3. NCO – 2015

NCO – 2015 is an 8-digit coding structure which was mapped and aligned to ISCO – 08 with an addition of 2 digits. There is one to one correspondence between ISCO – 08 and the NCO – 2015 with the:

- a. First digit representing the Division (Major Group)
- b. Second digit representing Sub-Division (Sub-Major Group)
- c. Third digit representing the Group (Minor Group)
- d. Fourth digit representing the Family (Unit Group)

A decimal is introduced after the first four digits in order to create a distinction between the Families and individual Occupations.

The coding structure of NCO – 2015 is as follows:

Before Decimal:

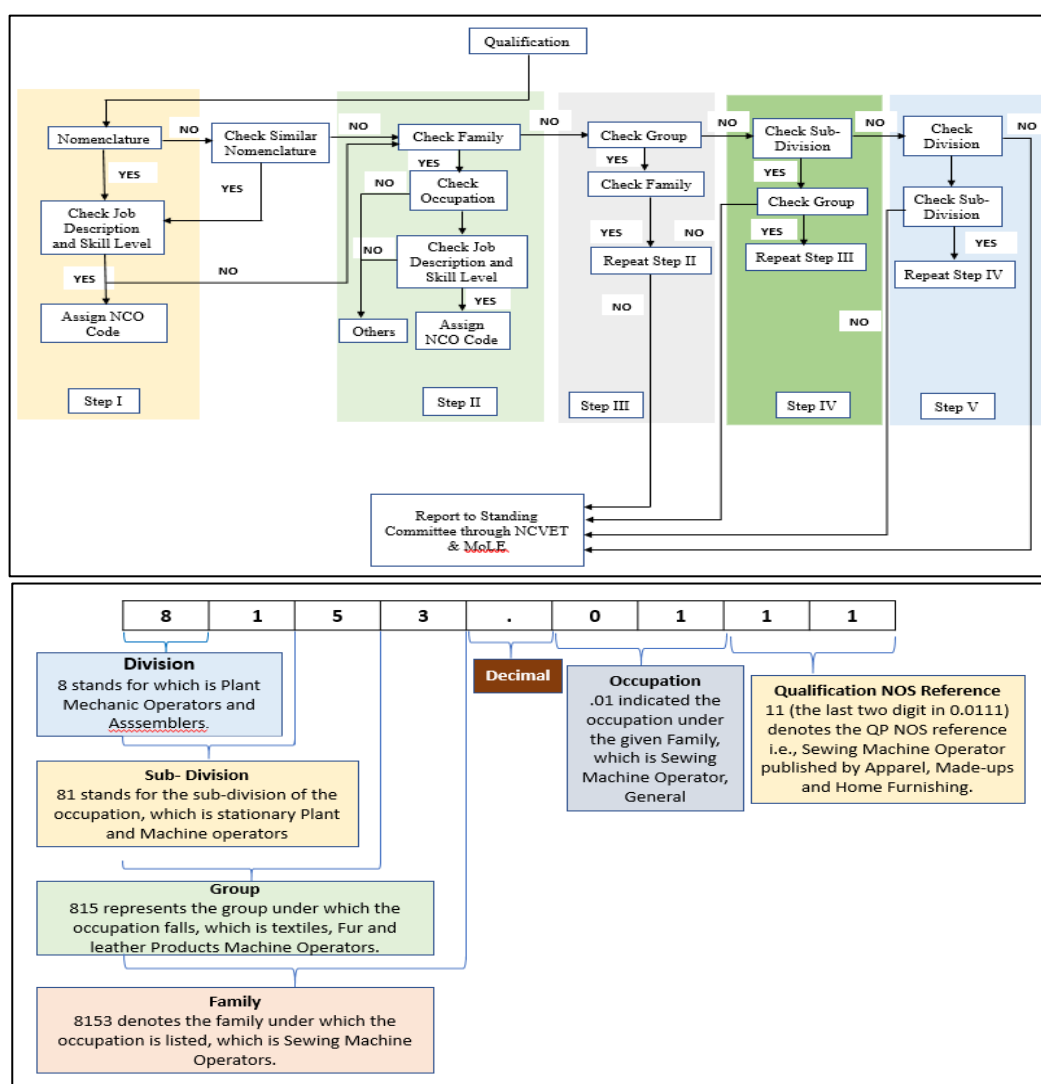
- The first digit will represent the Division (Major Group in ISCO)
- The first two digits will represent the Sub-Division (Sub-Major Group in ISCO)
- The first three digits will represent the Group (Minor Group in ISCO)
- The first four digits will represent the Family (Unit Group in ISCO)

A decimal is introduced after the first four digits in order to create a distinction between the Families and individual Occupations.

After Decimal:

- The first two digits will represent the different occupations that can be combined under the given Family.
- The last two digits shall represent the availability of a QP NOS for the job role.

For example: 8153.0111 Code for Sewing Machine Operator.



The value of the last two digits would depend on two scenarios:

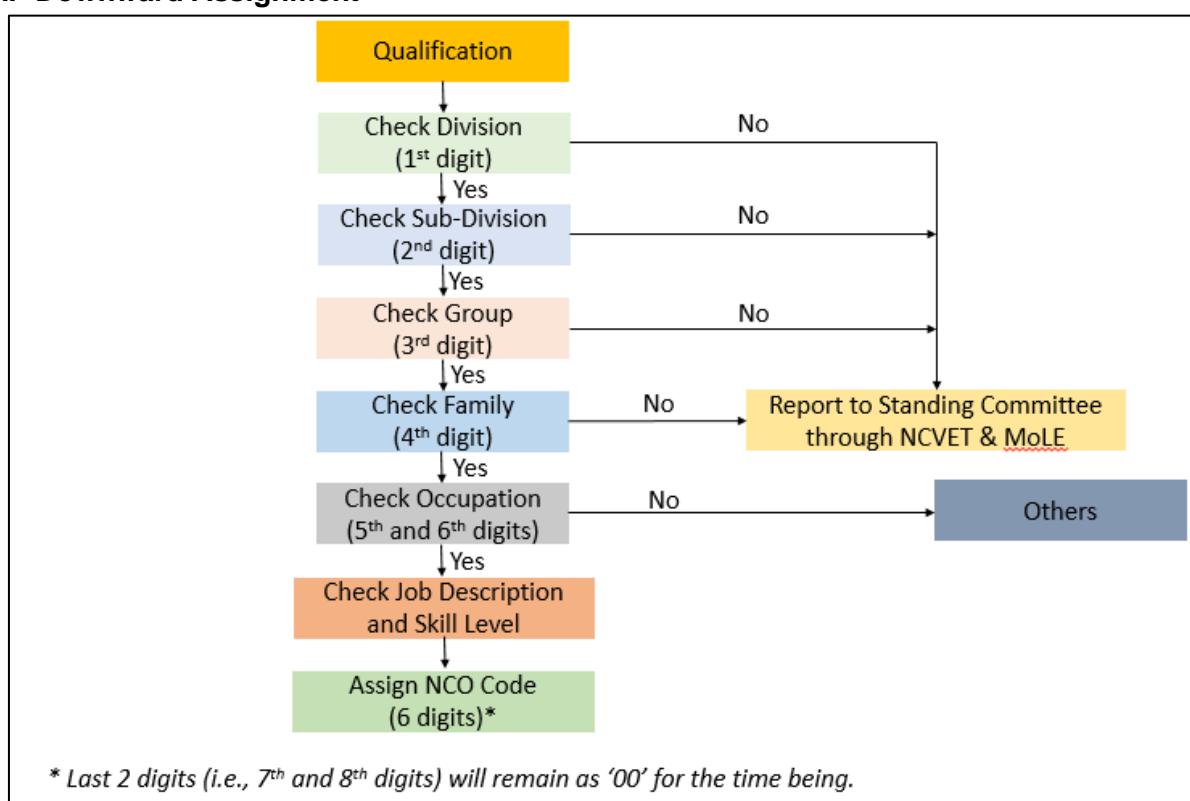
1. If QP NOS is available, then the value of the last 2 digits after the decimal will be between 1-99 (arranged sequentially).
2. If QP NOS is unavailable, then the value of the last two digits after the decimal will remain 00.

4. Process of Assigning Codes to Qualification

Assignment of relevant codes to qualifications requires understanding of the NCO concepts and classification. ABs generally find it difficult to identify the relevant occupations under which the qualification shall lie. To make assignment of codes easy and swift:

- b. Two process flow charts have been designed. The flow charts with use cases are explained as follows:

A. Downward Assignment



Engraver- NCO 2015\ 7313.1900

The methods outlined in the flow chart above can be used to determine the appropriate NCO code for a qualification called 'Engraver' produced by HCSSC.

Step 1: Determine the relevant Division, i.e., 7, under which the qualification falls, is the 'craft and related trades workers category'.

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 73, which is handicraft and printing workers.

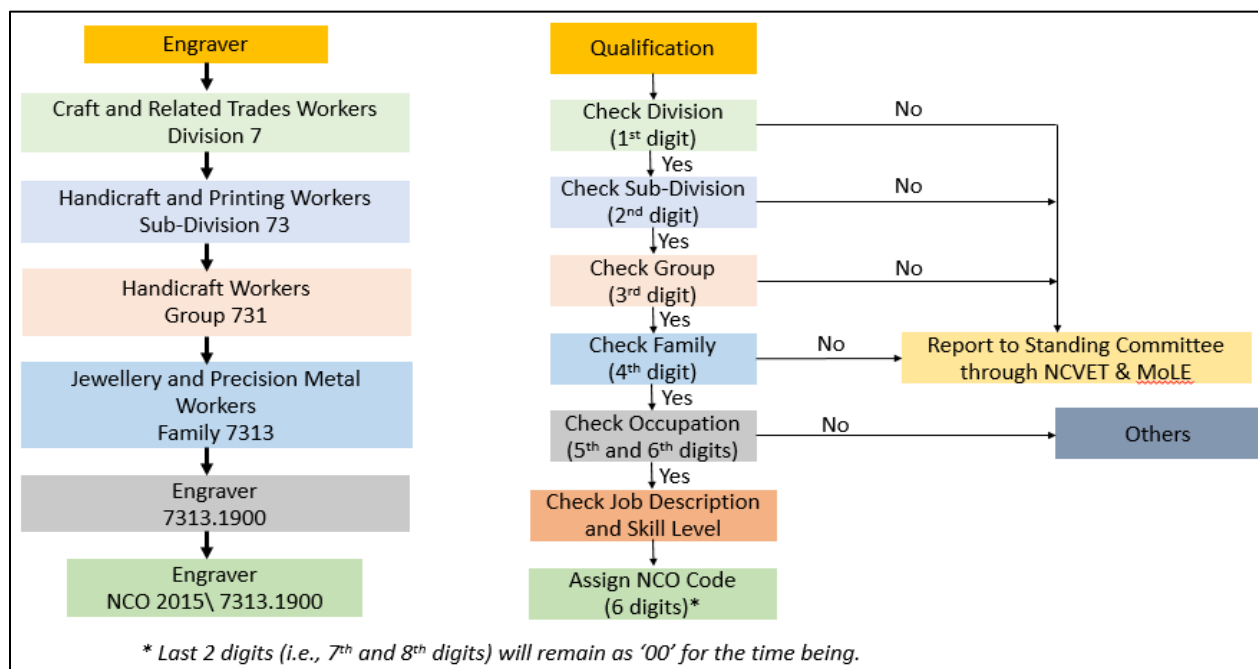
Step 3: The Group is now found to be 731, which is handicraft workers.

Step 4: Next, look in the Family for the qualification 7313 under jewellery and precision metal workers.

Step 5: When reviewing the job description and the skill level for the qualification, the 5th and 6th numbers for the code are recorded as 19.

Step 6: As a result, the qualification's NCO Code is 7313.1900.

Note: The last two digits (i.e., the 7th and the 8th digits) will remain as 00 for the time being. Please refer to recommendation no. 'vii' for details.



Drone Developer (Software) – NCO 2015\ 2512

To determine the relevant NCO code for the 'Drone Developer (Software)' qualification developed by IT-ITeS SSC, complete the steps outlined in the flow chart above:

Step 1: Determine the relevant Division, i.e., 2, under which the qualification falls, is the 'Professionals'.

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 25, which is 'Information and Communication Technology Professionals'.

Step 3: The Group is now found to be 251, which is 'Software and Application develops, and Analysts'.

Step 4: Next, look in the Family for the qualification 2512 under Software Developers.

Step 5: When reviewing the job description and the skill level for the qualification, there are 8 occupations which are listed under the family. However, an exact match for the qualification 'Drone Developer (Software)' cannot be found.

Step 6: If the AB feels, that the Job Description of the Qualification File doesn't match with any of the 8 occupations listed then a code till first four digits that is upto family level can be assigned which in this case is 2512, and the same maybe communicated to the Standing Committee.

Assistant Yoga Instructor - NCO 2015\ NIL

By following the steps specified in the flow chart provided, one can ensure correctness in providing the correct code for the certification 'Assistant Yoga Instructor' created by Healthcare SSC:

Step 1: It can fall under Division 2 and 3, but while going the detailed description of both the divisions, it was found that it is best suited under Division 3, under which is the 'Technicians and Associate Professionals'.

Step 2: The suitable sub-division for the qualification is now identified as 34, which is 'Legal, Social, Cultural and related Associated Professionals'.

Step 3: However, after this sub-division, no further Group can be mapped to the qualification. Therefore, no code can be assigned for the abovesaid qualification and the representatives of the Standing Committee, MoLE, or NCVET must be notified.

B. Upward Assignment

Engraver- NCO 2015\ 7313.1900

The methods outlined in the flow chart above can be used to determine the appropriate NCO code for a qualification called 'Engraver' produced by HCSSC.

Step 1: The precise nomenclature is confirmed and easily located.

Step 2: The job description and skill level as defined by the qualification are now mapped, if they are deemed to be relevant to the qualification.

Step 3: The NCO Code 7313.1900 is therefore mapped and assigned to the 'Engraver' qualification.

Drone Developer (Software) – NCO 2015\ 2512

To determine the relevant NCO code for the 'Drone Developer (Software)' qualification developed by IT-ITeS SSC, complete the steps outlined in the flow chart above:

Step 1: The exact name of the qualification is sought in the concordance table, but it is not found. As a result, proceed to check the qualification using the same nomenclature as shown in the flowchart.

Step 2: When checking for same nomenclature in the table, it is discovered that 8 occupations exist, so we check the Job description and the Skill Level.

Step 3: The exact job description cannot be mapped and thus we will look for the family that the qualification may come under. It is found that the qualification can be mapped under family 2, and thus proceed to the next step.

Step 4: The exact occupation cannot be found and thus we find the relevant Group, Sub-division and Division which is found to be 2512. However, an exact match for the qualification 'Drone Developer(Software)' cannot be found.

Step 5: If the AB feels, that the Job Description of the Qualification File doesn't match with any of the 8 occupations listed then a code till first four digits that is upto family level can be assigned which in this case is 2512, and the same maybe communicated to the Standing Committee.

Assistant Yoga Instructor - NCO 2015\NIL

By following the steps specified in the flow chart supplied, one can ensure correctness in providing the correct code for the certification 'Assistant Yoga Instructor' created by Healthcare SSC:

Step 1: The exact name of the qualification is sought in the concordance table, but it is not found. As a result, proceed to check the qualification using the same nomenclature as shown in the flowchart.

Step 2: When checking for similar nomenclature in the table, it is discovered that it does not exist, so we go to the next step.

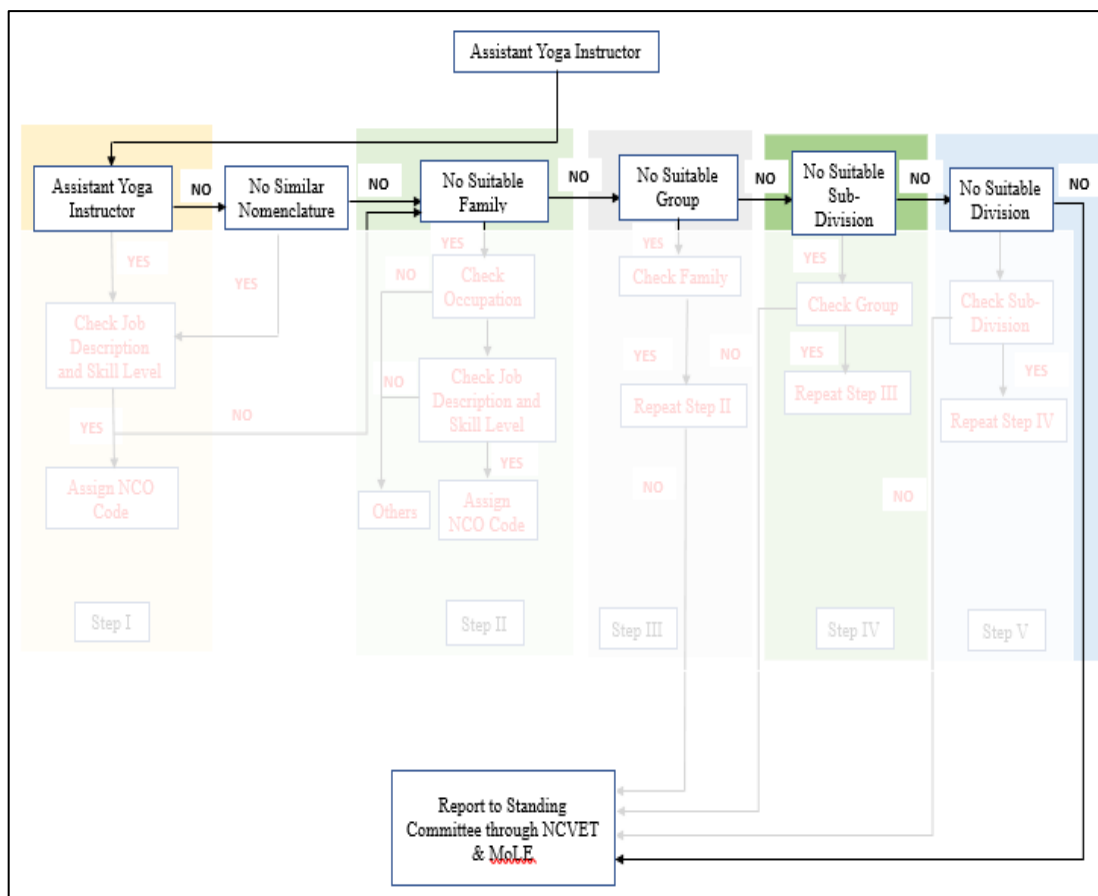
Step 3: Look for the family that the qualification may come under. If no family can be discovered, proceed to the next step.

Step 4: If no applicable Group under which the qualification falls is found while searching for it, go to the next step.

Step 5: Look for the qualification in Sub-Division. If no appropriate Sub-Divisions are located, proceed to the next step.

Step 6: While going through the Division, it can be found that the qualification can fall under division 2 and 3 both. But while going the detailed description of both the divisions, it was found that it is best

suited under Division 3, under which is the 'Technicians and Associate Professionals'. Therefore, no code can be assigned for the abovesaid qualification and the representatives of the Standing Committee, MoLE, or NCVET must be notified.



Note 1: For searching various matching families, occupations, with respect to a qualification, Ministry of Labour and Employment has developed a search engine which is available at <https://dge.gov.in/dge/nat> .

5. Conclusion

NCO codes branch out in a highly standardized way, resulting in an accurate depiction of the kinds and types of job roles present in that occupation. These are also in line with international standards, which will create opportunities towards international equivalence and mobility of the learner's undertaking skilling and TVET qualifications and curriculum.

Annexure III**List of Qualifications approved in the 31st NSQC Meeting**

Sl. No	Sector	Qualification Name	New/ Revised	NSQ F Level	Approval Status	Future Skill
Broadcast Engineering Consultants India Limited (BECIL)						
1	Electronics	Integrated Command Control Center - Supervisor	New	5	Approved	yes
Gujarat Council of Vocational Training						
1	IT-ITeS	Computer Operator and Network Assistant	New	3	Approved	yes
IIT Guwahati						
1	IT-ITeS	Industrial IoT and Edge AI Analyst	New	5.5	Approved	yes
Medhavi Skills University (MSU)						
1	IT-ITeS	Web Video Production and Editing	New	4.5	Approved	New age
2	Automotive	Supervisor - 2 and 3-Wheeler Electric Vehicle Services	New	5	Approved	yes
Mewar University						
1	Electronics	Embedded IoT Developer	New	5.5	Approved	yes
Nettur Technical Training Foundation (NTTF)						
1	Capital Goods	Conventional and CNC Machinist	New	3.5	Approved	
Uttar Pradesh Skill Development Mission (UPSDM)						
1	Food Processing	Junior Panman Operator	New	3	Conditionally Approved	
West Bengal State Council for Technical and Vocational Education and Skill Development (WBSCTVESD)						
1	Wood and Carpentry	Wooden Furniture Maker	Revised	3	Approved	
Agriculture Skill Council for India (ASCI)						
1	Agriculture	Professional Gardening and Nursery Management	New	4.5	Approved	
Beauty and Wellness Sector Skill Council (BWSSC)						

1	Beauty	Wellness Therapist (Elderly)	New	4	Approved	
Construction Skill Development Council of India (CSDCI)						
1	Construction	4D BIM Planner – Planning & Monitoring	New	6	Approved	Yes
2	Construction	BIM Designer – Interior Design and VR Integration	New	6	Approved	Yes
3	Construction	BIM Modeler Elective: 1. Mechanical, Electrical and Plumbing (MEP) 2. Structural and Formwork 3. Architectural and Landscape	New	4	Approved	Yes
4	Construction	BIM Manager-Construction	New	6.5	Approved	Yes
5	Construction	BIM Technician – Object Creation	New	5	Approved	Yes
6	Construction	BIM Coordinator – Design	New	6	Approved	Yes
7	Construction	7D BIM Creator - BIM & IoT Integration	New	6	Approved	Yes
8	Construction	6D BIM Creator – Sustainability	New	6	Approved	Yes
9	Construction	5D BIM Planner – Cost Planning and Monitoring	New	6	Approved	Yes
10	Construction	Project Soft-Landing Executive	New	4.5	Approved	Yes
11	Construction	Assistant Bar Bender & Steel Fixer	Revised	3	Approved	No
12	Construction	Assistant Construction Fitter	Revised	3	Approved	No
13	Construction	Assistant Construction Painter & Decorator (Optional: Varnishing and polishing)	Revised	3	Approved	No
14	Construction	Assistant Facade Installer	Revised	3	Approved for 6 months	No
15	Construction	Assistant False Ceiling and Drywall Installer	Revised	3	Approved	No

16	Construction	Assistant Mason	Revised	3	Approved	No
17	Construction	Assistant Scaffolder- Conventional	Revised	3	Approved for 6 months	No
18	Construction	Assistant Scaffolder- System	Revised	3	Approved	No
19	Construction	Assistant Shuttering Carpenter	Revised	3	Approved	No
20	Construction	Assistant Technician - Prestress	Revised	3	Approved for 6 months	No
21	Construction	Construction Fitter	Revised	3.5	Approved	No
22	Construction	Construction Painter and Decorator	Revised	3.5	Approved	No
23	Construction	Doors & Windows Fixer	Revised	3	Approved	No
24	Construction	Facade Installer	Revised	3.5	Approved	No
25	Construction	Grinder- Construction	Revised	3	Approved	No
26	Construction	Helper Bar Bender and Steel Fixer (Optional: Manual Earthwork)	Revised	2	Approved for 6 months	No
27	Construction	Helper Construction Painter	Revised	2	Approved for 6 months	No
28	Construction	Helper Fabrication	Revised	2	Approved	No
29	Construction	Helper Facade Installer	Revised	2	Approved for 6 months	No
30	Construction	Helper Interior Finishes	Revised	2	Approved	No
31	Construction	Helper Mason (Optional: Manual Earthwork)	Revised	2	Approved for 6 months	No
32	Construction	Helper Shuttering Carpenter (Optional: Manual Earthwork)	Revised	2	Approved for 6 months	No
33	Construction	Khalasi (Assistant Rigger)	Revised	3	Approved	No
34	Construction	Mason Concrete	Revised	3.5	Approved	No
35	Construction	Rigger - Structural Erection	Revised	3.5	Approved for 6 months	No
36	Construction	Rigger Precast Erection	Revised	3.5	Approved	No
37	Construction	Store Assistant - Construction	Revised	3	Approved	No

38	Construction	Structural Steel NDT Tester Elective: 1. Magnetic Particle Test, 2. Dye Penetration Test, 3. Ultrasonic Test	Revised	3.5	Approved for 6 months	No
Electronics Sector Skills Council Of India (ESSCI)						
1	Electronics	Assistant Technician – Weighing & Measuring Machine	New	3	Conditionally Approved	No
2	Electronics	Semiconductor Process Technology Engineer - Upskilling	New	6	Approved	Yes
Furniture & Fittings Sector Skill Council (FFSC)						
1	Furniture	Multipurpose Draughtsperson (Design and Build)	New	3	Approved	No
2	Furniture	Multipurpose Assistant-Furniture Production and Installation	New	3	Approved	No
3	Furniture	Assistant Panelworks Machine Operator	New	4	Approved	No
4	Furniture	Panel works Machine Operator	New	4.5	Approved	No
5	Furniture	Multipurpose Assistant-Furniture Business Development	New	3	Approved	No
6	Furniture	Assistant Wooden Boat Maker	New	4	Approved	No
7	Furniture	Draughts person (Interior Design)	Revised	4	Approved	No
8	Furniture	Assistant Interior Designer	Revised	4.5	Approved	No
9	Furniture	Interior Designer	Revised	5	Approved	No
10	Furniture	Assistant Project Manager (Interior Design)	Revised	5.5	Approved	No
11	Furniture	Assistant Carpenter	Revised	4	Approved	No
12	Furniture	Carpenter	Revised	4.5	Approved	No
13	Furniture	Master Carpenter	Revised	5	Approved	No
Gem and Jewelry Skill Council of India						

1	Gem and Jewellery	Diamond Assorter	Revised	3	Approved	
2	Gem and Jewellery	Tarakasi Jeweller	Revised	3	Approved	
3	Gem and Jewellery	Payal Maker	Revised	3	Approved	
Handicrafts and Carpet Sector Skill Council						
1	Handicrafts	Fitter and Rubbing Operator (Paper Mache)	Revised	3	Approved	
2	Handicrafts	Material Preparation Worker (Ceramics)	Revised	2.5	Approved	
3	Handicrafts	Paint Line Operator (Paper Mache)	Revised	2.5	Approved	
4	Handicrafts	Paper Mache Art Promoter (Paper Mache)	Revised	4.5	Approved	
5	Handicrafts	Sakhta Saaz (Paper Pulp)	Revised	2.5	Approved	
6	Handicrafts	Assembly Machine Operator (Woodware)	Revised	3	Approved	
7	Handicrafts	Automatic Stick Making M/C Operator	Revised	2.5	Approved	
8	Handicrafts	CAD Designer for Carpets	Revised	4	Approved	
9	Handicrafts	Color Quality Incharge/Shade Supervisor (Carpets)	Revised	3.5	Approved	
10	Handicrafts	Designer (Woodware Products)	Revised	3	Approved	
11	Handicrafts	Embossing Artisan (Metalware)	Revised	2.5	Approved	
12	Handicrafts	Etching Artisan (Metalware)	Revised	2.5	Approved	
13	Handicrafts	Finisher (Woodware)	Revised	2.5	Approved	
14	Handicrafts	Jute Handloom Weaver	Revised	3	Approved	
15	Handicrafts	Jute Screen Printer	Revised	3	Approved	
16	Handicrafts	Jute Yarn Hank Dyer	Revised	2.5	Approved	
17	Handicrafts	Lacquerer (Paper Mache)	Revised	3	Approved	
18	Handicrafts	Lacquerer (Woodware)	Revised	2.5	Approved	
19	Handicrafts	Latexing Man (Carpets)	Revised	2.5	Approved	
20	Handicrafts	Loom Supervisor – Knotted Carpet	Revised	3.5	Approved	

21	Handicrafts	Paper Mache Art Designer	Revised	3	Approved	
22	Handicrafts	Craft Specialist- Paper Mache	Revised	4	Approved	
23	Handicrafts	Polisher (Metalware)	Revised	2.5	Approved	
24	Handicrafts	Quality Supervisor (Carpets)	Revised	3	Conditionally Approved	
25	Handicrafts	Seasoning and Chemical Treatment Assistant (Woodware)	Revised	2.5	Approved	
26	Handicrafts	Washer (Carpets)	Revised	2.5	Approved	
Instrumentation Automation Surveillance & Communication Sector Skill Council						
1	Instrumentation	Junior Developer – Arduino Coding and Prototype	New	3	Not Approved	
2	Instrumentation	Junior Developer- Electronic design (Instrument) and Prototype	New	3	Not Approved	
3	Instrumentation	Junior Executive-B2B Customer Relation (Automation)	New	4	Approved	
4	Instrumentation	Junior Executive- Technical Sales (Automation)	New	4	Approved	
Logistics Sector Skill Council						
1	Logistics	Container repair and maintenance supervisor	New	5	Approved	
2	Logistics	E-commerce Delivery Associate	New	3	Approved	
3	Logistics	Packaging Designer	New	6	Approved	Yes
4	Logistics	Cargo Vehicle Driver (Non-hazardous goods)	New	4	Approved	
Power Sector Skill Council (PSSC)						
1	Power	Jr. Technician (Smart Energy Meter)	New	3	Approved	No
2	Power	Technician – Railway Track Electrification	New	4	Approved	No
3	Power	Industrial Electrician	New	4	Conditionally Approved	No
4	Power	Technician – Power System Transmission	New	4	Approved	No
Rubber, Chemicals and Petrochemicals						

1	Rubber, Chemicals and Petrochemicals	Technician: Battery (Alkaline) Maintenance, Processing and Recycling	New	4	Approved	Yes
Skill Council for Persons with Disability						
1	PwD	Assistant - Sewing Machine Operator (Divyangjan) - ID	New	2	Approved	
2	PwD	Assistant - Sewing Machine Operator (Divyangjan) - MD	New	2	Approved	
3	PwD	Helper- Small Poultry Farmer (Divyangjan) - ID	New	2	Approved	
4	PwD	Helper- Small Poultry Farmer (Divyangjan) - MD	New	2	Approved	
5	PwD	Hospitality Associate (Divyangjan)- MD Electives 1: Kitchen Helper 150 hrs 2: Laundry Valet 150hrs Optional 3: Toilet Cleaning: 120Hrs Optional 4: Perform Laundry Operations 120 hrs	New	2	Approved	
6	PwD	Carpet weaver (Divyangjan)-LD Electives (330hrs each) 1. knotted carpet weaving 2. tufted carpet weaving 3. hand loom weaving	New	3.5	Approved	

7	PwD	Carpet weaver (Divyangjan)-SHI Electives (330hrs each) 1. knotted carpet weaving 2. tufted carpet weaving 3. hand loom weaving	New	3.5	Approved	
8	PwD	Office Operations Executive (Divyangjan)-LD	New	4	Approved	
9	PwD	Office Operations Executive (Divyangjan)-SHI	New	4	Approved	
10	PwD	The HR Executive – Payroll and Employee Data Management (Divyangjan)-LD	New	4	Approved	
11	PwD	The HR Executive – Payroll and Employee Data Management (Divyangjan)-SHI	New	4	Approved	
12	PwD	CCTV Supervisor (Divyangjan) - LD	New	4	Approved	
13	PwD	CCTV Video Footage Auditor (Divyangjan)-LD	New	4	Conditionally Approved	
14	PwD	CCTV Video Footage Auditor (Divyangjan)-SHI	New	4	Approved	

15	PwD	Radio Jockey(Divyangjan)- LD	New	5	Approved	
16	PwD	Radio Jockey(Divyangjan)- LV	New	5	Approved	
17	PwD	Radio Jockey(Divyangjan)- VI	New	5	Approved	
18	PwD	Kisan Drone Operator (Divyangjan) - LD	New	4	Approved	
19	PwD	Kisan Drone Operator (Divyangjan) - SHI	New	4	Approved	
20	PwD	Office Assistant (Divyangjan) - LD	New	3	Approved	
21	PwD	Office Assistant (Divyangjan) - SHI	New	3	Approved	
22	PwD	Office Executive (Divyangjan) - LD	New	4	Approved	
23	PwD	Office Executive (Divyangjan) - SHI	New	4	Approved	
24	PwD	Office Executive (Divyangjan) - LV	New	4	Approved	
25	PwD	Office Executive (Divyangjan) - VI	New	4	Approved	
26	PwD	Stringing/Beading Assembler (Fashion Jewellery) (Divyagjan) - SHI	New	2	Approved	
27	PwD	Stringing/Beading Assembler (Fashion Jewellery) (Divyagjan) - LV	New	2	Approved	
28	PwD	Stringing/Beading Assembler (Fashion Jewellery) (Divyagjan) - VI	New	2	Approved	
29	PwD	Stringing/Beading Assembler (Fashion Jewellery) (Divyagjan) - LD	New	2	Approved	
30	PwD	Trainer - Persons with Disability (PwD)	Revised	5	Not Approved	
31	PwD	Improved Cook Stove Installer (Divyangjan) - LD	Revised	4	Approved	
32	PwD	Improved Cook Stove Installer (Divyangjan) - SHI	Revised	4	Approved	

33	PwD	Patient Relations Associate (Divyangjan) - LD	Revised	5	Approved	
34	PwD	Patient Relations Associate (Divyangjan) - LV	Revised	5	Approved	
Skill Council for Green Jobs						
1	Environmental Science	Junior Technician – Sewer Mechanized Cleaning	New	3	Approved	No
2	Environmental Science	Sewer Entry Professional	New	3	Approved	No
3	Environmental Science	Green Hydrogen Plant Junior Technician-Power Sources	New	3	Approved	Yes
4	Environmental Science	Green Hydrogen Plant Junior Technician-Power Sources	New	3	Approved	Yes
5	Environmental Science	Green Hydrogen Plant Junior Technician-Electrolyser	New	3	Approved	Yes
6	Environmental Science	Green Hydrogen Plant Junior Technician-Desalination	New	3	Approved	Yes
7	Environmental Science	Solar Domestic Product Assembler	New	2.5	Approved	No
8	Environmental Science	Solar Manufacturing - Junior Technician	New	3	Approved	No
9	Environmental Science	Solar Photovoltaic Site Survey Assistant	New	3.5	Approved	No
10	Environmental Science	Solar Photovoltaic Technician	New	4	Approved	No
11	Environmental Science	Biomass Pellet Manufacturing Junior Technician	New	3	Approved	No
12	Environmental Science	Bio-Energy - Entrepreneur	New	4	Approved	No
13	Environmental Science	Material Recovery Facility (MRF) Entrepreneur	New	4	Approved	No
14	Environmental Science	Plastic Recycling Operator	New	3	Approved	No
15	Environmental Science	Plastic Recycling Entrepreneur	New	4	Approved	No
Sports, Physical Education, Fitness and Leisure Skills Council						

1	Sports	Physical Education Trainer	New	4	Approved	
2	Sports	Physical Education Head	New	7	Approved	
3	Sports	Camping & Trekking Guide	New	4	Approved	
4	Sports	Yoga Assistant- Sports	New	3	Approved	
5	Sports	Yoga Trainer- Sports	New	4	Approved	
6	Sports	Yoga Instructor- Sports	New	5	Approved	
7	Sports	Sports Nutritionist	New	6	Approved	
8	Sports	Store Sales Executive- Sports	New	4	Approved	
9	Sports	Sports Gear Specialist	New	5	Approved	
10	Sports	Store Manager- Sports	New	6	Approved	
11	Sports	Gym Equipment Service Technician	New	4	Approved	
12	Sports	Gym Equipment Service Supervisor	New	5	Approved	
13	Sports	Sports Goods Craftsperson	New	4	Not Approved	
Telecom Sector Skill Council Council						
1	Telecom	Telecom ग्रामीण उद्यमी	New	4	Approved	
2	Telecom	5G System Integrator	New	5	Approved	Yes
NOS						
National Institute of Electronics & Information Technology (NIELIT)						
1	IT-ITeS	Course on Computer Concepts	New	2	Approved	
Defense Forces						
Regiment of Artillery						
1	Construction	Senior Land Surveyor	New	5	Approved	
Indian Navy						
1	Electronics	Mechanic Electronics and Communication Equipment	New	4.5	Approved	
2	Electronics	Electronic Machine Maintenance Executive	New	4.5	Approved	
3		Marine Painter	New	4	Approved	
4	Aviation	Aircraft Avionics Technician	New	4.5	Approved	
5		Mechanic: Hydraulic and Pneumatic Systems	New	4.5	Approved	
6	Aviation	Flight Dispatcher	New	4.5	Approved	

7	Aviation	Airport Safety Crew	New	4.5	Approved	
Army Education Corps						
1		Foreign Language Interpreter	New	5	Approved	
2		Career Counsellor	New	5	Approved	
Directorate General of Armoured Corps						
1	Automotive	Flat Bed Vehicle Driver	New	4.5	Approved	
2	Automotive	Transport Supervisor	New	5	Approved	
3	Automotive	Assistant Mechanical Transport Officer	New	5.5	Approved	
4	Security	Assistant Security Driver	New	5.5	Approved	
Corps of Electronics and Mechanical Engineers						
1	Electronics	Artisan Metal Works Technician	New	4.5	Approved	
2	Electronics	SENIOR MACHINIST	New	5	Approved	
3	Electronics	MACHINE SHOP SUPERVISOR	New	5.5	Approved	
4	Electronics	Technician IT Hardware and Network	New	4.5	Approved	
5	Electronics	Maintenance Technician Radar	New	4.5	Approved	
6	Electronics	Technician Mechatronics (Gun Control Equipment)	New	4.5	Approved	
7	Electronics	Driver & Recovery Operator	New	4.5	Approved	
8	Electronics	Technician Armament Two Elective Trades (a) Armoured Fighting Vehicles/ Air Defence. (b) Field Guns	New	4.5	Approved	
9	Electronics	Technician Small Arms	New	4.5	Approved	
10	Electronics	Technician Optical Instruments	New	4.5	Approved	
Corps of Signals						
1	Telecom	Senior Technician-IT System	New	5	Approved	

2	Telecom	Junior Supervisor-IT System	New	5.5	Approved	
3	Telecom	Communication Centre and Radio System Supervisor	New	5	Approved	
4	Telecom	Communication Centre & Radio System Specialist	New	5.5	Approved	
5	Telecom	Senior Technician Electrical System	New	5	Approved	
6	Telecom	Supervisor Electrical System	New	5.5	Approved	
7	Telecom	Senior Technician Network System Support	New	5	Approved	
8	Telecom	Senior Draughtsman Topographical	New	5	Approved	
9	Telecom	Supervisor Draughtsman Topographical	New	5.5	Approved	
Army Physical Training Corps						
1	Sports	Yoga Trainer - Advance	New	5	Approved	
2	Sports	Aquatic & Resuscitation Trainer	New	5	Approved	
3	Sports	Martial art & Self defence Trainer	New	5	Approved	
Corps of Engineers						
1	Media	Photo Cartographer	New	5	Approved	
2	Media	Printer Cartographer	New	5	Approved	
3	Construction	Draughtsman Geo Mapping	New	5	Approved	
4	Construction	Surveyor Topographical	New	5	Approved	
Remount Veterinary Corps						
1	Veterinary	Nursing Assistant Veterinary	New	4.5	Approved	
